राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 12 जनवरी 2026 वर्ष-8,अंक-316 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जम्मू-कश्मीर में ड्रोन से गिराई हथियारों की खेप, बीएसएफ ने की पाकिस्तानी साजिश नाकाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान से आए एक ड्रोन ने जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले की सीमा के नजदीक गांव में हथियार और गोला बारूद की खेप गिराई। खुफिया जानकारी मिलने पर बीएसएफ और जम्मू पुलिस के स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप की एक जॉइंट टीम ने इस साजिश को बेनकाब कर दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक टीम ने शुक्रवार रात को राजपुरा इलाके के पालूरा गांव में सर्च ऑपरेशन चलाया। मौके से एक पैकेट बरामद हुआ, जिसमें एक चीनी एचई ग्रेनेड, 9एमएम कार्ट्रिज के 16 राउंड, एक मैगजीन के साथ एक ग्लॉक पिस्टल और दो मैगजीन के साथ एक स्टार पिस्टल बरामद की। पुलिस ने बताया कि आने वाले गणतंत्र दिवस 26 जनवरी समारोह को बाधित करने के लिए आतंकवादियों की किसी भी कोशिश को नाकाम करने के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच यह रिकवरी की गई है। इससे पहले 21 नवंबर को सांबा की घगवाल तहसील में इंटरनेशनल बॉर्डर के पास एक गांव के ऊपर एक पाकिस्तानी ड्रोन देखा गया था, जिसके बाद सुरक्षा बलों ने नशीले पदार्थों, हथियारों या दूसरे सामान की एयरड्रॉपिंग के शक में सर्च ऑपरेशन चलाया था। बता दें इस ऑपरेशन को अंजाम देने से पहले 27 अक्टूबर को बीएसएफ ने जम्मू जिले के रणबीर सिंह पुरा में सीमा पार से नशीले पदार्थों की तस्करी की एक बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया। पाकिस्तानी ड्रोन से गिराए गए दो बैग बरामद किए गए, जिनमें पांच किलोग्राम से ज्यादा हेरोइन थी, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 25 करोड़ रुपए से ज्यादा है।

ओडिशा की भाजपा सरकार ने किसानों के साथ धोखा किया : नवीन पटनायक

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष और ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर किसानों के साथ धोखा करने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि राज्य में धान खरीद की व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है, जिससे किसान भारी संकट में हैं और खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। नवीन पटनायक ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जारी करते हुए कहा, कि किसानों को अपनी उपज सरकारी मंडियों में बेचने के लिए इन ठंडी रातों को खुले आसमान के नीचे बिताने को मजबूर होना पड़ रहा है। कड़ाके की ठंड में किसान अपनी मेहनत की फसल की रखवाली कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी सुध लेने को तैयार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि धान खरीद में भारी अव्यवस्था के कारण किसान निराश और असहाय हो गए हैं। बीजद अध्यक्ष ने कहा कि हालात इतने खराब हो चुके हैं कि किसान अब राष्ट्रीय राजमार्गों पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे हैं और सरकार से धान की सुचारू खरीद की मांग कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया, आखिर सरकार किसानों का धान कब खरीदेगी? पटनायक ने यह भी कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों के कारण किसानों का भरोसा टूट रहा है।

गांव में हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर में एक हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग करवानी पड़ी। हेलिकॉप्टर जयपुर से भोपाल (मध्य प्रदेश) जा रहा था। प्राइवेट कंपनी के हेलिकॉप्टर में सवार पायलट और को-पायलट पूरी तरह सुरक्षित हैं और किसी प्रकार की क्षति नहीं हुई। घटना रविवार सुबह करीब 11 बजे की जयपुर ग्रामीण के रायसर के पास स्थित वामनवाटी गांव की है। एवन हेलिकॉप्टर कंपनी के डायरेक्टर सोहन सिंह नाथावत ने बताया- हेलिकॉप्टर देहरादून (उत्तराखंड) से शनिवार शाम 4:30 बजे जयपुर पहुंचा था। इसके बाद हेलिकॉप्टर में फ्यूल रिफ्यूलिंग की प्रक्रिया पूरी की गई। रविवार को मौसम साफ होने के बाद हेलिकॉप्टर ने सुबह 11:02 बजे जयपुर में चौमूं के मलिकपुर स्थित हेलीपैड से भोपाल के लिए उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही हेलिकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई।

उद्धव गुट के पूर्व विधायक ने पार्टी छोड़ी

मुंबई (एजेंसी)। उद्धव गुट के शिवसेना नेता और पूर्व विधायक दगडू सकपाल ने पार्टी छोड़कर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए हैं। यह कदम उन्होंने बीएमसी चुनावों से पहले उठाया है। सकपाल ने रविवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में शिवसेना जॉइन की। इससे पहले गुरुवार को महाराष्ट्र के अंबरनाथ नगर परिषद के 12 निलंबित कांग्रेस पार्षद भाजपा में शामिल हुए थे। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे ने भाजपा पर गंदी और साम्प्रदायिक राजनीति करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि भाजपा जनहित के अहम मुद्दों को सुलझाने में विफल रही है। राज्य में 29 नगर निगमों के चुनाव 15 जनवरी को होंगे। इनमें मुंबई, पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ शामिल हैं। मतगणना 16 जनवरी को होगी।

पीलीभीत में नेपाल के हाथियों ने मचाया आतंक, सैकड़ों बीघा फसल तबाह

पीलीभीत(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत टाइगर रिजर्व (पीटीआर) से सटे ग्रामीण इलाकों में नेपाल के गौरी फंटा अभयारण्य से आए हाथियों के झुंड ने भारी उत्पात मचाया है। महुआ, गोयल कॉलोनी, सिरसा सरदाह समेत कई गांवों में हाथियों ने सैकड़ों बीघा खड़ी फसलों को रौंदकर नष्ट कर दिया, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। अधिकारियों के अनुसार, हाथियों के झुंड ने गन्ना, गेहूं, धान, सरसों और मसूर की फसलों को नुकसान पहुंचाया है। खेतों में घुसकर हाथियों ने न सिर्फ फसलें बर्बाद कीं, बल्कि सिंचाई के संसाधनों को भी नुकसान पहुंचाया। महुआ गांव के किसानों ने मीडिया को बताया कि हाथियों ने उनके खेतों में लगे पंपसेट पलट दिए और करीब 50 मीटर तक घसीट ले गए। वहीं वन विभाग का कहना था, कि वन विभाग की टीमें मशाल, पटाखे और शोरगुल की मदद से हाथियों को जंगल की ओर खदेड़ने का प्रयास कर रही हैं, लेकिन झुंड बार-बार आबादी की ओर लौट आता है। किसानों का कहना है कि एक जनवरी से लगातार हाथी फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

देश के 8 राज्य शीतलहर की चपेट में, अलर्ट जारी कहा- अभी और बढ़ेगी ठंड, 17 तक राहत नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर और उत्तर-पश्चिम भारत के बड़े हिस्से में कड़ाके की ठंड, कोहरे और शीतलहर का कहर लगातार जारी है। बर्फीली हवाओं के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है, जबकि पर्वतीय राज्यों में पारा शून्य से नीचे बना हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, आगामी 17 जनवरी तक उत्तर और पश्चिम भारत के राज्यों में शीतलहर और घने कोहरे की स्थिति बनी रहने की संभावना है।

देश की राजधानी दिल्ली में शनिवार की सुबह इस सीजन की सबसे सर्द सुबह दर्ज की गई। गिरते तापमान और ठिठुरन को देखते हुए मौसम विभाग ने दिल्ली में अगले दो दिनों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। शनिवार रविवार रात को न्यूनतम तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई, जिससे पूरी राजधानी ठिठुरती नजर आई। आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में शनिवार को न्यूनतम तापमान महज 4.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 2.7 डिग्री कम है। पिछले महज

चार दिनों के भीतर ही न्यूनतम तापमान में लगभग चार डिग्री की गिरावट आई है।

दिल्ली के साथ-साथ राजस्थान और बिहार के कई जिलों में कोल्ड डे (शीत दिवस) जैसी स्थिति बनी रही। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, झारखंड और ओडिशा में भी शीतलहर ने लोगों को घरों में कैद रहने पर मजबूर कर दिया है। वहीं उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में पाला पड़ने से मुश्किलें और बढ़ गई हैं। पालम जैसे इलाकों में सुबह के वक्त दृश्यता का स्तर गिरकर मात्र 50 मीटर रह गया था, हालांकि दिन में धूप निकलने के बाद अधिकतम तापमान 20.2 डिग्री तक पहुंचा, जिससे मामूली राहत महसूस की गई। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, रविवार को पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, चंडीगढ़, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में शीत दिवस की स्थिति रहने के आसार हैं। विशेषकर पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 12 से 17 जनवरी के बीच कुछ क्षेत्रों में अत्यधिक घना कोहरा छाए रहने की चेतावनी दी गई है। अब तक दिल्ली में बादलों और कोहरे की चादर के कारण धूप नहीं निकल रही थी, जिससे दिन का तापमान कम था। लेकिन अब बादलों के हटने और आसमान साफ होने के साथ ही न्यूनतम तापमान में तेज गिरावट दर्ज की जा रही है, जो शीतलहर के खतरे को बढ़ा रहा है। अगले एक हफ्ते तक उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में ठंड से राहत मिलने की उम्मीद कम ही नजर आ रही है।

सरकार के आदेश के बाद एक्स ने 600 अकाउंट और 3500 पोस्ट किए डिलीट

प्लेटफॉर्म ने दिया आश्वासन अश्लील सामग्री पोस्ट करने की नहीं देगा इजाजत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार के आदेश के बाद सोशल मीडिया एक्स ने कई यूजर्स पर एक्शन लिया है। एक्स ने 600 अकाउंट को डिलीट कर दिया है। साथ ही एक्स ने अपने प्लेटफॉर्म से 3500 से ज्यादा पोस्ट भी हटाए हैं। केंद्र सरकार ने एक्स पर मौजूद अश्लील सामग्री पर आपत्ति जताई थी, जिसके बाद एक्स ने यह कदम उठाया। एक्स ने सरकार को आश्वासन दिया कि वह इस प्लेटफॉर्म पर अश्लील सामग्री पोस्ट करने की इजाजत नहीं देगा और नियमों का पालन करेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केंद्रीय सूचना प्रोद्योगिकी मंत्रालय ने एक्स के खिलाफ चेतावनी जारी की थी, जिसके एक हफ्ते बाद की ये कार्रवाई सामने आई है। केंद्रीय मंत्रालय ने ग्रोक पर एआई के दुरुपयोग और महिलाओं को अशोभनीय रूप से बदनाम करने के लिए अपमानजनक या अश्लील तरीके से उनकी तस्वीरें या वीडियो बनाने और साझा का आरोप लगाया है। मंत्रालय ने एक्स को चेतावनी दी थी कि 72 घंटे में पालन न करने पर कंपनी को कानूनी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। बता दें एलन मस्क के प्लेटफार्म एक्स के एआई चैटबाट ग्रोक की ओर से महिलाओं और बच्चों की अश्लील तस्वीरें बनाने का आरोप है। इसे लेकर दुनिया भर की सरकारों ने चिंता जताई और ग्रोक की आलोचना की। इस सूची में भारत के अलावा फ्रांस, ब्राजील, मलेशिया और यूरोपियन यूनियन का नाम शामिल है। गैर-लाभकारी समूह एआई फोरेंसिक ने कहा कि उसने 25 दिसंबर से एक जनवरी के बीच ग्रोक द्वारा बनाई गई 20,000 तस्वीरों का विश्लेषण किया और पाया कि दो फीसदी में बिकनी या पारदर्शी कपड़ों में 18 या उससे कम उम्र के व्यक्ति को दर्शाया गया है।

झारखंड सीएम सोरेन करेंगे यूरोप दौरा, ऑक्सफोर्ड और दावोस में करेंगे शैक्षणिक और आर्थिक चर्चा

रांची (एजेंसी)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस महीने के अंत में अपने पहले आधिकारिक विदेश दौरे पर यूरोप जाएंगे। उनके कार्यक्रम में ब्रिटेन के ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की बैठक शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि यह दौरा झारखंड सरकार के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ किया जा रहा है।

ऑक्सफोर्ड में सोरेन सेंट जॉन्स कॉलेज और ऑल सोल्स कॉलेज सहित कई शैक्षणिक संस्थानों के साथ संवाद करेंगे। इसके अलावा, वे ब्लावटनिक स्कूल ऑफ गवर्नमेंट में सार्वजनिक नीति और शासन पर चर्चा करेंगे। अधिकारियों का कहना है कि इस दौरे से झारखंड में विकास कार्यक्रमों के लिए नया ब्लूप्रिंट तैयार करने में मदद मिल सकती है।

स्विट्जरलैंड में सोरेन दावोस में डब्ल्यूईएफ की वार्षिक बैठक में भाग लेंगे, जहां वैश्विक आर्थिक और नीति निर्धारण से जुड़े नेताओं से मिलने का अवसर मिलेगा।

इस दौरान झारखंड की सत्तारूढ़ कांग्रेस ने मनरेगा विरोध अभियान शुरू किया। राज्य कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने बताया कि 'मनरेगा बचाओ' अभियान के तहत उपवास, जन जागरूकता, नुक्कड़ नाटक और धरना जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कांग्रेस सरकार के नए विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम के विरोध में यह अभियान शुरू किया गया है। इस दौरे से झारखंड सरकार के वैश्विक मंच पर छवि निर्माण और विकास परियोजनाओं को प्रोत्साहित करने के प्रयास को बल मिलने की उम्मीद है।

इसरो ईओएस-एन1 'अन्वेषा' जासूसी सैटेलाइट करेगा लॉन्च, डीआरडीओ ने किया तैयार

यह भारत को रक्षा, आपदा प्रबंधन, खेती और पर्यावरण निगरानी में बड़ी मजबूती देगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाइपरस्पेक्टूल रिमोट सेंसिंग एक उन्नत तकनीक है जो सैकड़ों प्रकाश बैंड्स के जरिए धरती की सतह की बेहद सटीक पहचान करती है। इसरो का ईओएस-एन1 'अन्वेषा' सैटेलाइट, जिसे डीआरडीओ ने तैयार किया है, भारत को रक्षा, आपदा प्रबंधन, खेती और पर्यावरण निगरानी में बड़ी मजबूती देगा। यह तकनीक रणनीतिक योजना के साथ-साथ आम जनजीवन से जुड़े क्षेत्रों में भी अहम भूमिका निभाएगी। इसरो पीएसएलवी-सी62 मिशन के जरिए ईओएस-एन1 'अन्वेषा' सैटेलाइट को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी कर रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पारंपरिक सैटेलाइट सीमित रंगों के आधार पर धरती की तस्वीरें लेते हैं, जबकि हाइपरस्पेक्टूल तकनीक सैकड़ों बेहद संकरे प्रकाश बैंड्स को रिकॉर्ड करती है। ये बैंड्स दृश्य प्रकाश से लेकर इंफ्रारेड तक फैले होते हैं, जिससे हर वस्तु की एक विशिष्ट 'लाइट फिंगरप्रिंट' तैयार होती है। धरती पर मौजूद हर वस्तु, मिट्टी, पानी, वनस्पति या मानव निर्मित ढांचे, रोशनी के साथ अलग-अलग व्यवहार करती है। इन

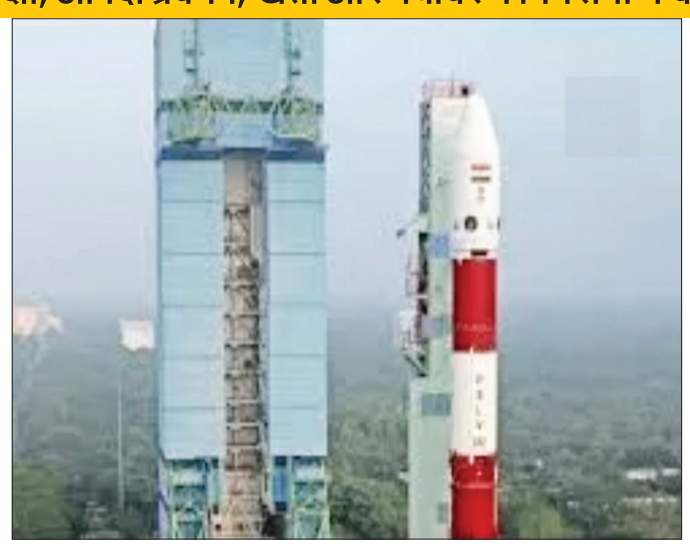

विशेष पैटर्न्स को वैज्ञानिक स्पेक्ट्रल लाइब्रेरी से मिलाते हैं, जिसे जमीन पर स्पेक्ट्रोरैडियोमीटर जैसे उपकरणों से तैयार किया जाता है। इसके बाद इस डेटा को जीआईएस और 3डी मैपिंग सिस्टम के साथ जोड़कर विस्तृत विश्लेषण किया जाता है।

हाइपरस्पेक्टूल रिमोट सेंसिंग रक्षा क्षेत्र में रणनीतिक योजना बनाने में अहम भूमिका निभाती है। यह जमीन के प्रकार की पहचान कर सैन्य वाहनों और सैनिकों के लिए सुरक्षित मार्ग तय करने में मदद करती है। यह नकली कैमोफ्लाज, छिपे हथियारों और संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाने में भी सक्षम है। इस तकनीक का इस्तेमाल सिर्फ सैन्य उद्देश्यों तक सीमित नहीं है। खेती में फसलों की सेहत पर नजर रखने, आपदाओं के दौरान प्रभावित इलाकों की त्वरित पहचान, राहत और बचाव कार्यों और जलवायु परिवर्तन के अध्ययन में भी हाइपरस्पेक्ट्रल डेटा बेहद उपयोगी साबित हो रहा है।

12 जनवरी को प्रस्तावित अन्वेषा सैटेलाइट का प्रक्षेपण भारत की रणनीतिक क्षमता को मजबूत करेगा। इसके साथ ही यह आपदा प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण और त्वरित निर्णय प्रणाली को नई गति देगा। इस मिशन से अंतरिक्ष तकनीक अब केवल रक्षा तक सीमित नहीं, बल्कि देश और समाज के व्यापक हित में काम कर रही है। यह लॉन्च भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए एक बड़ा कदम है।

जनगणना में जातिगत गणना को शामिल करने के फैसले का विपक्षी दलों ने किया स्वागत

स्टालिन ने एक उच्चस्तरीय सलाहकार परिषद के गठन का किया आग्रह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार की तरफ से आगामी जनगणना में जातिगत गणना को शामिल करने के फैसले का विपक्ष ने एक सुर में स्वागत किया है। मोदी सरकार की तारीफ करने वालों में तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन से लेकर कांग्रेस के सांसद तक शामिल हैं। विपक्ष का कहना है कि केंद्र सरकार का यह फैसला जनगणना में जातिगत गणना, डेटा-आधारित सामाजिक न्याय की दिशा में अहम कदम साबित होगा। विपक्ष का कहना है कि यह फैसला पिछले कई सालों से चल रही राजनीतिक बहस का नतीजा माना है।

तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने आगामी राष्ट्रीय जनसंख्या जनगणना के साथ-साथ जाति आधारित जनगणना कराने के केंद्र सरकार के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने इस संबंध में पीएम मोदी को पत्र भी लिखा है। इसके साथ ही स्टालिन ने मुख्यमंत्रियों, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों को मिलाकर एक उच्चस्तरीय सलाहकार परिषद के गठन का आग्रह किया है। स?टालिन ने कहा कि केंद्र के इस फैसले से साक्ष्य आधारित सामाजिक न्याय और नीति निर्माण के प्रति तमिलनाडु की प्रतिबद्धता की पुष्टि होती है।

उन्होंने चेतावनी दी कि कई राज्यों में व्याप्त गहरी सामाजिक गतिशीलता और जाति संरचनाओं को देखते हुए जाति जनगणना एक अत्यंत संवेदनशील प्रक्रिया है। उन्होंने आगाह किया कि यदि इसे सावधानीपूर्वक नहीं संभाला तो यह प्रक्रिया अनपेक्षित सामाजिक तनावों को जन्म दे सकती है। कांग्रेस सांसद मणिक्कम टैगोर ने इस फैसले का स्वागत किया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि जनगणना में जातिगत गणना को शामिल करने के फैसले का स्वागत है। यह डेटा-आधारित सामाजिक न्याय की दिशा में एक अहम कदम है, जिसकी मांग विपक्ष के नेता राहुल गांधी लंबे समय से कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य की नीतियों पर इसके प्रभावों को देखते हुए केंद्र को गलतियों और कमियों से बचने के लिए फ्रेमवर्क को अंतिम रूप देने से पहले सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से सलाह लेनी चाहिए।

यूएपीए कानून के तहत खालिद और शरजील को नहीं मिल सकी जमानत

-ओवैसी ने कांग्रेस को ठहराया जिम्मेदार, बोले- इस कानून का उन्होंने विरोध किया था

अमरावती (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत न मिलने के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि जिस कड़े यूएपीए के तहत उन पर मामला दर्ज किया गया है, उसे कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में लागू किया गया था। यह बात ओवैसी ने 15 जनवरी को होने वाले नगर निगम चुनावों से पहले महाराष्ट्र के अमरावती में एक जनसभा में कही।

उन्होंने कहा कि चुनाव में धर्मनिरपेक्षता की बात करने वाले लोग वास्तव में मुसलमानों, दलितों और आदिवासियों के दुश्मन हैं, क्योंकि वे वोट हासिल करने के लिए राजनीतिक धर्मनिरपेक्षता का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने कहा कि खालिद और शरजील दोनों को गैरकानूनी गतिविधियां की धारा

के आधार पर 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने जमानत देने से इनकार कर दिया था।

ओवैसी ने कहा कि तत्कालीन गृह मंत्री पी चिदंबरम ने यूएपीए पेश किया था और संसद में इसका विरोध करने वाले वे यानी खुद ओवैसी एकमात्र व्यक्ति थे। मैंने ही सबसे पहले कहा था कि इस कानून का इस्तेमाल पुलिस मुसलमानों, आदिवासियों, दलितों और उन बुद्धिजीवियों के खिलाफ करेगी जो सरकार की नीतियों को समझते और उनका विरोध करते हैं। आज जो हुआ वह आप देख ही सकते हैं, इन दोनों बच्चों को उस कानून में आतंकवाद की परिभाषा के कारण जमानत नहीं मिल पाई।

ओवैसी ने कहा कि खालिद और शरजील पांच साल से जेल में बंद हैं, वहीं एल्गर परिषद मामले में आरोपी 85 साल के स्टेन स्वामी की इसी कानून के कारण जेल में मौत हो गई। उन्होंने यह भी कहा कि 2019 में जब यूएपीए में संशोधन किया गया था, तब कांग्रेस ने बीजेपी सरकार का समर्थन किया था, जो अब निर्दोष लोगों की जिंदगियां तबाह कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में कार्यकर्ता उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका खारिज कर दी, लेकिन भागीदारी के क्रम का हवाला देते हुए पांच अन्य लोगों को जमानत दे दी थी।

वहीं, नागपुर में ओवैसी ने कहा कि मुसलमानों की कोई पॉलिटिकल एजेंसी नहीं है। अगर आप सिर्फ़ वोटर बनकर रहेंगे, तो घर पर बुलडोज़र चलेगा... बीजेपी हो, अजीत पवार या एकनाथ शिंदे ये सभी पार्टियां आपको डराकर आपका वोट हासिल करना चाहती हैं। मजलिस आपको कह रही है कि अपनी पॉलिटिकल एजेंसी बनाइए।

प्रदूषण समस्या पर बोली कांगेस- नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम कागजी बनकर रह गया

-जयराम ने सीआइईए की अध्ययन रिपोर्ट का दिया हवाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। वायु प्रदूषण की गंभीर समस्या को लेकर कांग्रेस पार्टी ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और कहा, कि सरकार की नीतियाँ और योजनाएँ पूरी तरह से विफल हो चुकी हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम (एनसीएपी) को लेकर अपने एक बयान में कहा, कि यह अब नोशनल क्लीन एयर प्रोग्राम (कागजी प्रोग्राम) बनकर रह गया है। कांग्रेस महासचिव जयराम ने रविवार को जारी बयान में कहा, कि सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) द्वारा हाल ही में किए गए अध्ययन ने इस बात की पुष्टि हुई है, कि वायु गुणवत्ता अब पूरे देश के लिए एक संरचनात्मक संकट बन चुकी है। उन्होंने कहा, यह लंबे समय से भारत के लिए सबसे खुला रहस्य है, कि देश के अधिकांश हिस्सों में वायु प्रदूषण एक गंभीर समस्या बन चुका है, और सरकार की ओर से इस पर कोई प्रभावी कदम नहीं उठाए गए हैं।

क्या कहती है सीआरईए की रिपोर्ट

सीआरईए द्वारा किए गए अध्ययन के अनुसार, भारत के लगभग 44 प्रतिशत शहरों में वायु प्रदूषण की समस्या बेहद गंभीर हो गई है। इन शहरों में पांच वर्षों से अधिक समय तक हवा में पीएम 2.5 का स्तर राष्ट्रीय मानकों से ऊपर बना हुआ है। इस अध्ययन में कुल 4,041 नगरों में से 1,787 शहरों को प्रदूषण की गंभीर चपेट में पाया गया है।

गहन समीक्षा और सुधार की आवश्यकता

कांग्रेस महासचिव जयराम ने कहा, कि एनसीएपी का नाम भले ही नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम रखा गया हो, लेकिन यह एक कागजी योजना बनकर रह गई है। अब इसकी गहन समीक्षा और सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने सरकार से यह भी कहा कि प्रदूषण को रोकने के लिए आवश्यक कदमों की सख्त आवश्यकता है।

प्रदूषण रोकने की मांग

कांग्रेस पार्टी ने वायु प्रदूषण को लेकर सरकार से कई महत्वपूर्ण सुधार की मांग की है। जयराम रमेश ने कहा कि एनसीएपी के लिए आवंटित फंड में भारी वृद्धि की आवश्यकता है। उन्होंने प्रस्तावित किया कि एनसीएपी का बजट 25,000 करोड़ रुपये तक बढ़ाया जाए और इसे देश के सबसे प्रदूषित 1,000 शहरों और कस्बों में लागू किया जाए। इसके अलावा, जयराम रमेश ने एनसीएपी को कानूनी आधार देने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि यह योजना अपनी प्राथमिकताएँ मुख्य प्रदूषण स्रोतों पर केंद्रित

करे, विशेष रूप से कोयला आधारित बिजली संयंत्रों के प्रदूषण मानकों को कड़ा किया जाए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि सभी बिजली संयंत्रों में फ्लू गैस डी-सलफराइजर (एफजीडी) 2026 तक अनिवार्य रूप से स्थापित किए जाएं।

कांग्रेस सांसद जयराम ने यह भी कहा, कि सरकार ने संसद में दो बार प्रदूषण के स्वास्थ्य पर प्रभाव को कमतर दिखाने की कोशिश की है और सरकार के इन प्रयासों को लेकर कांग्रेस ने इसे अक्षमता और लापरवाही का परिणाम करार दिया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्वामी विवेकानंद : युवा शक्ति के प्रेरणा पुंज

(लेखक- हर्षवर्धन पान्डे/ईएमएस)

विवेकानन्द जिन्हें उस दौर में नरेन्द्रनाथ नाम से पुकारा जाता था एक ऐसा नाम है जिन्होंने करिश्माई व्यक्तित्व के किरदार को एक दौर में जिया। आज भी लोग गर्व से उनका नाम लेते हैं और युवा दिलों में वह एक आयकन की भांति बसते हैं। इतिहास के पन्नों में विवेकानंद का दर्शन उन्हें एक ऐसे महाज्ञानी व्यक्तित्व के रूप में जगह देता है जिसने अपने ओजस्वी विचारों के द्वारा दुनिया के पटल पर भारत का नाम बुलंदियों के शिखर पर पहुँचाया। उनके द्वारा दिया गया वेदान्त दर्शन भारतीय दर्शन की एक अनमोल धरोहर है। अपने गुरु के नाम पर विवेकानंद ने रामकृष्ण मिशन तथा रामकृष्ण मठ की स्थापना की। विश्व में भारतीय दर्शन विशेषकर वेदांत और योग को प्रसारित करने में विवेकानंद की महत्वपूर्ण भूमिका है, साथ ही ब्रिटिश भारत के दौरान राष्ट्रवाद को अध्यात्म से जोड़ने में इनकी भूमिका महत्वपूर्ण मानी जाती है। परमहंस जी जैसे जौहरी ने रत्न को परखा। उन दिव्य महापुरुष के स्पर्श ने नरेन्द्र को बदल दिया। इसी समय उनकी भेंट अपने गुरु रामकृष्ण से हुई, जिन्होंने पहले उन्हें विश्वास दिलाया कि ईश्वर वास्तव में है और मनुष्य ईश्वर को पा सकता है। रामकृष्ण ने सर्वव्यापी परमसत्य के रूप में ईश्वर की सर्वोच्च अनुभूति पाने में नरेंद्र का मार्गदर्शन किया और उन्हें शिक्षा दी कि सेवा कभी दान नहीं, बल्कि सारी मानवता में निहित ईश्वर की सचेतन आराधना होनी चाहिए। यह उपदेश विवेकानंद के जीवन का प्रमुख दर्शन बन गया। 25 वर्ष की अवस्था में नरेन्द्रदत्त ने भगवा वस्त्र को धारण किया। अपने गुरु से प्रेरित होकर नरेंद्रनाथ ने सन्यासी जीवन बिताने की दीक्षा ली और स्वामी विवेकानंद के रूप में दुनिया में जाने गए।

स्वामी विवेकानन्द ने वहाँ भारत और हिन्दू धर्म की भव्यता स्थापित करके ज़बरदस्त प्रभाव छोड़ा।11 सितम्बर 1893 का दिन इतिहास में अमर है। इस दिन अमेरिका में विश्व धर्म सम्मलेन का आयोजन किया जिसमे दुनिया के कोने कोने से लोगो ने शिरकत की। उस दौर में भारत के प्रतिनिधित्व की जिम्मेदारी इन्ही के कंधो पर थी। गेरुए कपडे पहने विवेकानन्द ने अपनी वाणी से वहां पर मौजूद जनसमुदाय को मंत्र मुग्ध कर दिया। जहाँ सभी अपना भाषण लिखकर लाये थे वहीँ विवेकानंद ने अपना मौखिक भाषण दिया। दिल से जो निकला वही बोला और जनसमुदाय के अंतर्मन को मानो झंकृत ही कर डाला। उनके शालीन अंदाज ने लोगों को उन्हें सुनने को मजबूर कर दिया। धर्म की व्याख्या करते हुए वह बोले जैसे सभी नदियां अंत में समुद्र में जाकर मिलती है वैसे ही दुनिया में अलग अलग धर्म अपनाने वाले मनुष्य को एक न एक दिन ईश्वर की शरण में जाकर ही लौटना पड़ता है। सिस्टर्स ऐंड ब्रदर्स ऑफ़ अमेरिका के संबोधन के साथ अपने भाषण की शुरुआत करते ही 7000 प्रतिनिधियों ने तालियों के साथ उनका स्वागत किया। 17 सितम्बर 1893 को शिकागो में धर्म सभा में उन्होंने भारत को हिन्दू राष्ट्र के नाम से सम्बोधित किया और स्वयं के हिन्दू होने पर गर्व महसूस किया। उन्होंने सभा को बताया हिन्दू धर्म पर प्रबंध ही हिन्दुत्व की राष्ट्रीय परिभाषा है। इसे समझने पर हमें हमारे विशाल देश की बाहरी विविधता में एकता के दर्शन होते हैं। शिकागो से वापसी पर उन्होंने कहा केवल अंध देख नहीं पाते और विक्षिप्त बुद्धि समझ नहीं पाते कि यह सोया देश अब जाग उठा है।अपने पूर्व गौरव को प्राप्त करने के लिए इसे अब कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने सभी हिन्दुओं को सब भेदों से ऊपर उठकर अपनी राष्ट्रीय पहचान पर गर्व करने का ककहरा ना केवल सुनाया बल्कि दुनिया में भारत के नाम के झंडे गाड़ दिए। विवेकानंद ने वहाँ एकत्र लोगों को सभी मानवों की अनिवार्य दिव्यता के प्राचीन वेदांतिक संदेश और सभी धर्मों में निहित एकता से परिचित कराया। शिकागो में दिये गए उनके व्याख्यानों से एक नए अभियान की शुरुआत हुई जो सुधार के उद्देश्य से आज भी हर किसी के दिल में बसा है। उन्होंने न्यूयॉर्क में लगभग दो वर्ष व्यतीत किये जहाँ वर्ष 1894 में पहली 'वेदांत सोसाइटी' की स्थापना की। उन्होंने पूरे यूरोप का व्यापक भ्रमण किया तथा मैक्स मूलर और पॉल डूसन जैसे मनीषियों से संवाद किया साथ ही भारत में अपने सुधारवादी अभियान के आरंभ से पहले निकोला टेस्ला जैसे प्रख्यात वैज्ञानिकों के साथ तर्क-वितर्क भी किये।

विवेकानंद का विचार है कि सभी धर्म एक ही लक्ष्य की ओर ले जाते हैं, जो उनके आध्यात्मिक गुरु श्री रामकृष्ण परमहंस के आध्यात्मिक प्रयोगों पर आधारित है। परमहंस रहस्यवाद के इतिहास में अद्वितीय स्थान रखते हैं, जिनके आध्यात्मिक अभ्यासों में यह विश्वास निहित है कि सगुण और निर्गुण की अवधारणा के साथ ही ईसाईयत और इस्लाम के आध्यात्मिक अभ्यास आदि सभी एक ही बोध या जागृति की ओर ले जाते हैं। शिकागो के अपने प्रवास के दौरान स्वामी विवेकानंद ने तीन चीजों पर जोर दिया। पहला, उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा न केवल सहिष्णुता बल्कि सभी धर्मों को सत्य के रूप में स्वीकार करने में विश्वास रखती है। दूसरा, उन्होंने स्पष्ट और मुखर शब्दों में इस बात पर बल दिया कि बौद्ध धर्म के बिना हिंदू धर्म और हिंदू धर्म के बिना बौद्ध धर्म अपूर्ण है। तीसरा, यदि कोई व्यक्ति केवल अपने धर्म के अनन्य अस्तित्व और दूसरों के धर्म के विनाश का स्वप्न रखता है तो मैं हृदय की अतल गहराइयों से उसे दया भाव से देखता हूँ और उसे इंगित करता हूँ कि विरोध के बावजूद प्रत्येक धर्म के झंडे पर जल्द ही संघर्ष के बदले सहयोग, विनाश के बदले सम्मिलन और मतभेद के बजाय सद्भाव व शांति का संदेश लिखा होगा।

जिस समय शिकागो में 1893 में धर्म सम्मेलन हुआ,उस समय पाश्चात्य जगत भारत को हीन दृष्टि से देखता था। वहां के लोगों ने बहुत प्रयास किया कि विवेकानंद को सर्वधर्म परिषद् में बोलने का समय ही ना मिले, मगर एक अमेरिकी प्रोफ़ेसर के प्रयास से उन्हें थोडा समय मिला। भारतीय दर्शन के बिना विश्व अनाथ हो जायेगा कहकर स्वामी जी ने पुनः भारत को विश्व गुरु पद पर प्रतिष्ठित कर दिया। गुरुदेव रविंदर नाथ टैगोर ने विवेकानन्द के बारे में कहा है यदि आप भारत को जानना चाहते हैं तो विवेकानंद को पढ़िए। उन्होंने सनातन धर्म को गतिशील तथा व्यावहारिक बनाया और सुदृढ़ सभ्यता के निर्माण के लिए आधुनिक मानव से विज्ञान व भौतिकवाद को भारत की आध्यात्मिक संस्कृति से जोड़ने किया शायद यही वजह है भारत में स्वामी विवेकानंद के जन्म दिवस 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

स्वामी विवेकानंद का मानना है कि भारत की खोई हुई प्रतिष्ठा तथा सम्मान को शिक्षा द्वारा ही वापस लाया जा सकता है। किसी देश की योग्यता तथा क्षमता में वृद्धि उस देश के नागरिकों के मध्य व्याप्त शिक्षा के स्तर से ही हो सकती है। स्वामी विवेकानंद ने ऐसी शिक्षा पर बल दिया जिसके माध्यम से विद्यार्थी की आत्मोन्नति हो और जो उसके चरित्र निर्माण में सहायक हो सके। साथ ही शिक्षा ऐसी होनी चाहिये जिसमें विद्यार्थी ज्ञान प्राप्ति में आत्मनिर्भर तथा चुनौतियों से निपटने में स्वयं सक्षम हों। विवेकानंद ऐसी शिक्षा पद्धति के घोर विरोधी थे जिसमें गरीबों एवं वंचित वर्गों के लिये स्थान नहीं था।स्वामी विवेकानंद की ओजस्वी वाणी भारत में तब उम्मीद की किरण लेकर आई जब हम अंग्रेजों के जुल्म सह रहे थे। हर तरफ निराशा का माहौल देखा जा सकता था । उन्होंने भारत के सोए हुए जनमानस को जगाया और उनमें नई उमंग का संचार किया।विवेकानंद वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बहुत महत्व देते थे। वह शिक्षा और ज्ञान को आस्था की कुंजी मानते हैं। विवेकानंद ने गरीबी को ईश्वर से जोडकर दरिद्रनारायण की अवधारणा दी ताकि इससे लोगों को वंचित वर्गों की सेवा के प्रति जागरूक किया जा सके और उनकी स्थिति में सुधार करने हेतु प्रेरित किया जा सके। महात्मा गांधी द्वारा सामाजिक रूप से शोषित लोगों को हरिजन शब्द से संबोधित किये जाने के वर्षों पहले ही स्वामी विवेकानंद ने दरिद्र नारायण शब्द का प्रयोग किया था जिसका आशय था कि गरीबों की सेवा ही ईश्वर की सेवा है।' ।

स्वामी विवेकानंद के उपदेशात्मक वचनों में कहते थे उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत ।इसके माध्यम से उन्होंने देशवासियों को अंधकार से बाहर निकलकर ज्ञानार्जन की प्रेरणा दी थी। स्वामी विवेकानंद ने बार-बार कहा कि भारत के पतन का कारण धर्म नहीं है अपितु धर्म के मार्ग से दूर जाने के कारण ही भारत का पतन हुआ है जब जब हम धर्म को भूल गए तभी हमारा पतन हुआ है और धर्म के जागरण से ही हम पुनः नवोत्थान की और बढे हैं 7 वहीँ 1900 की शुरुआत में सेन फ्रांसिस्को में भी इसकी एक शाखा खोली।

विवेकानन्द के द्वारा दिया गया वेदान्त दर्शन एक अनमोल धरोहर है। वेदांत दर्शन उपनिषद् पर आधारित है। इसमें उपनिषद् की व्याख्या की गई है। स्वामी विवेकानंद ने अनिवार्य रूप से शिक्षा में गीता, उपनिषद और वेद में निहित नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों के समावेश की आवश्यकता पर बल दिया। उनके लिए धर्म, कर्मकांड अथवा धार्मिक रीति -रिवाज नहीं बल्कि समस्त मानव जाति के लिए आत्मज्ञान तथा आत्मबोध का कारक है। उन्होंने कहा कि बलवान शरीर और मजबूत पुट्ठों से युवा वर्ग गीता को भी बेहतर ढंग से समझ सकेगा। विवेकानन्द को आज हम इस रूप में याद करे कि उनके द्वारा दिया गया दर्शन हम अपने में आत्मसात करें, साथ ही अपने जीवन में कर्म को प्रधानता दें तो कुछ बात बनेगीं। बेहतर होगा युवा पीढ़ी उनके विचारों से कुछ सीखे और उनको आयकन बनाने के बजाए उनकी शिक्षा को अपने में उतारे और प्रगति पथ पर चले ।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक हैं)

विवेकानंद का विचार है कि सभी धर्म एक ही लक्ष्य की ओर ले जाते हैं, जो उनके आध्यात्मिक गुरु श्री रामकृष्ण परमहंस के आध्यात्मिक प्रयोगों पर आधारित है। परमहंस रहस्यवाद के इतिहास में अद्वितीय स्थान रखते हैं, जिनके आध्यात्मिक अभ्यासों में यह विश्वास निहित है कि सगुण और निर्गुण की अवधारणा के साथ ही ईसाईयत और इस्लाम के आध्यात्मिक अभ्यास आदि सभी एक ही बोध या जागृति की ओर ले जाते हैं। शिकागो के अपने प्रवास के दौरान स्वामी विवेकानंद ने तीन चीजों पर जोर दिया। पहला, उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा न केवल सहिष्णुता बल्कि सभी धर्मों को सत्य के रूप में स्वीकार करने में विश्वास रखती है। दूसरा, उन्होंने स्पष्ट और मुखर शब्दों में इस बात पर बल दिया कि बौद्ध धर्म के बिना हिंदू धर्म और हिंदू धर्म के बिना बौद्ध धर्म अपूर्ण है।

संपादकीय

वायु प्रदूषण से संघर्ष

दिल्ली-एनसीआर राज्यों ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए 15 जनवरी से साल भर सक्रिय रहने का निर्णय लिया है, जिसकी मासिक समीक्षा होगी। वर्तमान उपाय अपर्याप्त साबित हो रहे हैं। लेख जोर देता है कि यह समस्या केवल दिल्ली-एनसीआर तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे उत्तर भारत में है। सभी राज्यों को ऐसे सतत प्रयास करने चाहिए। जनता की सजगता और जनप्रतिनिधियों पर दबाव भी प्रदूषण नियंत्रण के लिए आवश्यक है। यह स्वागतयोग्य है कि देर से ही सही, दिल्ली और एनसीआर के सभी राज्यों ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सतत रूप से सक्रिय रहने का निर्णय किया। इसके सकारात्मक परिणाम निकलने चाहिए, पर ऐसा तब होगा, जब दिल्ली संग एनसीआर के राज्य वास्तव में वर्ष भर वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए प्रयत्नशील रहेंगे। समझना कठिन है कि अभी तक इसकी आवश्यकता क्यों नहीं समझी गई? अभी स्थिति यह है कि जब वायु प्रदूषण सिर उठा लेता है, तब अलग-अलग राज्य अपने-अपने स्तर पर उससे निपटने के लिए सक्रिय होते हैं। यह सक्रियता निष्प्रभावी ही रहती है। यह किसी से छिपा नहीं कि इन दिनों दिल्ली-एनसीआर वायु प्रदूषण से त्रस्त है और उससे निपटने के लिए जो भी उपाय किए जा रहे हैं, वे अपर्याप्त सिद्ध हो रहे हैं। वायु प्रदूषण की गंभीर स्थिति के बीच दिल्ली एवं एनसीआर के राज्यों ने वायु की गुणवत्ता संभालने के लिए साल भर प्रदूषण रोधी उपायों पर काम करने के लिए अपनी जो योजना केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को सौंपी है, उसके तहत सभी राज्य 15 जनवरी से वायु प्रदूषण पर लगाम लगाने का काम शुरू कर देंगे, जो वर्ष भर चलेंगे। अच्छी बात यह है कि इन कामों की हर महीने समीक्षा होगी। इस सबके बावजूद प्रश्न यह है कि आखिर केवल दिल्ली एवं उससे सटे राज्य ही वायु प्रदूषण से पार पाने के लिए आगे क्यों आए हैं? यह कार्य तो हर राज्य और विशेष रूप से उत्तर भारत के सभी राज्यों को करना चाहिए। अब वायु प्रदूषण केवल दिल्ली-एनसीआर की ही समस्या नहीं है, भले ही उसकी चर्चा अधिक होती हो। सच यह है कि अब सर्दियों में उत्तर भारत के करीब-करीब सभी राज्य वायु प्रदूषण से ग्रस्त रहने लगे हैं। इसी कारण भारत की गिनती उन देशों में होने लगी है, जहां की वायु सर्वाधिक प्रदूषित बनी रहती है। उचित यह होगा कि केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय देश के सभी राज्यों से वायु प्रदूषण से निपटने की ऐसी किसी योजना पर काम करने को कहे, जो वर्ष भर चलती रहे। फिलहाल यह कहना कठिन है कि दिल्ली एवं एनसीआर के राज्यों ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए 12 महीने सक्रिय रहने की जो तैयारी की है, उसके कैसे नतीजे कब तक सामने आएंगे, लेकिन यह समझा जाए कि वायु प्रदूषण से मुक्ति तभी मिलेगी, जब आम जनता उसके प्रति सजग होगी और साथ ही अपना योगदान देने के लिए भी तत्पर रहेगी। लोगों को अपने जनप्रतिनिधियों पर इसके लिए दबाव डालना होगा कि वे जानलेवा साबित होते वायु प्रदूषण को गंभीरता से लें। उन्हें नगर निकायों पर भी दबाव बनाना होगा, क्योंकि स्थानीय स्तर पर जिन कारणों से वायु प्रदूषण बढ़ता है, उनका निवारण करने में वे नाकाम ही हैं।

वेदांत से युवा शक्ति का अभ्युदय और स्वामी विवेकानंद का कालजयी दर्शन

(लेखक -दिलीप कुमार पाठक)

(12 जनवरी राष्ट्रीय युवा दिवस व स्वामी विवेकानंद जयंती पर विशेष लेख)

भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना को वैश्विक पटल पर गौरवान्वित करने वाले युगपुरुष स्वामी विवेकानंद की जयंती, 12 जनवरी, देश के इतिहास में केवल एक तिथि नहीं बल्कि एक ऊर्जावान उत्सव है। जिसे हम राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाते हैं, वह वास्तव में उस महामानव के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है जिसने सोए हुए भारत को उसकी अंतर्निहित शक्तियों से परिचित कराया। विवेकानंद ने जिस वेदांत दर्शन की व्याख्या की, वह हिमालय की गुफाओं तक सीमित रहने वाला शुष्क ज्ञान नहीं था, बल्कि वह एक व्यावहारिक वेदांत था जो खेत-खलिहानों, कारखानों और युवाओं के अंतर्मन में क्रांति लाने का सामर्थ्य रखता था। उन्होंने शिकागो के विश्व धर्म सम्मेलन में जब मेरे अमेरिकी भाइयों और बहनों कहकर संबोधन शुरू किया, तो वह केवल शब्द नहीं थे, बल्कि अद्वैत वेदांत की वह अनुभूति थी जो पूरी सृष्टि को एक परिवार मानती है। उनके दर्शन का मूल आधार यह था कि प्रत्येक आत्मा दिव्य है और मनुष्य की कमजोरी केवल एक भ्रम है। उन्होंने निर्भीकता को धर्म का सार बताया और स्पष्ट किया कि जो विचार हमें शारीरिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक रूप से कमजोर बनाते हैं, उन्हें जहर समझकर त्याग देना चाहिए।

स्वामी विवेकानंद ने युवाओं के लिए जो आदर्श स्थापित किए, उनमें सबसे महत्वपूर्ण था चरित्र निर्माण और आत्मविश्वास। वे अक्सर कहते थे कि जो व्यक्ति स्वयं पर विश्वास नहीं करता, वह ईश्वर पर भी विश्वास नहीं कर सकता। उन्होंने युवाओं को केवल किताबी ज्ञान का बोझ ढोने के बजाय एक ऐसा मनुष्य बनने की प्रेरणा दी जिसके पास लोहे की मांसपेशियां और फौलाद की नसें हों। विवेकानंद का मानना था कि भारत का पुनरुत्थान तभी संभव है जब युवा वर्ग अपनी सुख-सुविधाओं का त्याग कर दरिद्र नारायण यानी समाज के वंचित और पीड़ित वर्ग की सेवा में लग जाए। उनके अनुसार, शिक्षा वही है जो मनुष्य को अपने पैरों पर खड़ा करे और उसमें समाज के प्रति उत्तरदायित्व का भाव जगाए। उन्होंने युवाओं को लक्ष्य के प्रति एकाग्र होने का वह महान मंत्र दिया, जिसमें एक विचार को अपना जीवन बनाने और उसी को जीने की बात कही गई है। उनके शब्द उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए आज 2026 के आधुनिक भारत में भी उतने ही जीवंत हैं, जितने एक शताब्दी पूर्व थे।

विवेकानंद का अध्यात्म पलायनवाद का मार्ग नहीं, बल्कि पुरुषार्थ का संदेश था। उन्होंने शरीर को आत्मा का मंदिर माना और शारीरिक सुदृढ़ता के लिए योग व व्यायाम को अनिवार्य बताया। उनका सुप्रसिद्ध आह्वान था कि गीता पढ़ने के बजाय फुटबॉल खेलकर आप स्वर्ग के अधिक निकट होंगे, जिसका अर्थ था कि जब तक शरीर बलिष्ठ और इंद्रियां वश में नहीं होंगी, तब तक गहन आध्यात्मिक सत्य को समझना असंभव है। उन्होंने राजयोग के माध्यम से मन के निग्रह और प्राणायाम व व्यायाम द्वारा प्राणशक्ति को संचित करने पर बल दिया, ताकि युवा कठिन पुरुषार्थ कर सकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक देश के करोड़ों लोग भूख और अज्ञानता के अंधकार में डूबे हैं, तब तक हर वह शिक्षित व्यक्ति जो उनके उत्थान का प्रयास नहीं करता, वह देशद्रोही है। उन्होंने युवाओं के भीतर उस अमृत तत्व को जगाने का प्रयास किया जो कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी मुस्कुराते हुए राष्ट्र सेवा का संकल्प ले सके। स्वामी जी का मानना था कि आने वाले समय में भारत का गौरव उसके हथियारों से नहीं, बल्कि उसके युवाओं के नैतिक साहस और आध्यात्मिक ज्ञान से तय होगा।

आज के इस डिजिटल और प्रतिस्पर्धात्मक युग में, जहाँ युवा अक्सर एकाकीपन और मानसिक अवसाद का शिकार हो रहे हैं, विवेकानंद के विचार एक प्रकाश स्तंभ की तरह कार्य करते हैं। वे हमें सिखाते हैं कि बाहरी दुनिया को जीतने से पहले अपनी आंतरिक शक्तियों पर विजय प्राप्त करना आवश्यक है। उनका दर्शन समाजवाद और आध्यात्मिकता का एक अनूठा संगम है, जो युवाओं को वैश्विक नागरिक बनने के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक जड़ों से गहराई तक जुड़े रहने की प्रेरणा देता है।

स्वामी जी ने धर्म को कर्मकांडों की संकीर्णता से मुक्त कर उसे मानवतावाद की ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनके लिए देशभक्ति केवल एक भावना नहीं, बल्कि जन-जन के प्रति गहरी संवेदना और उनके उत्थान का ठोस कार्य थी। वे चाहते थे कि भारत का युवा वर्ग विज्ञान की आधुनिकता और वेदांत की गहराई का सुंदर मेल बने। आज 2026 में, जब दुनिया तकनीकी क्रांतियों के दौर से गुजर रही है, तब विवेकानंद की शिक्षाएं हमें याद दिलाती हैं कि बिना नैतिकता और आध्यात्मिकता के तकनीक विनाशकारी हो सकती है। वास्तव में, स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को अपनाना किसी पुरानी परंपरा को दोहराना नहीं है, बल्कि एक आधुनिक और सशक्त भारत की नींव को मजबूत करना है। विवेकानंद की जयंती पर उनके विचारों का मनन करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है और विकसित भारत एवं मानवता के संकल्प की सिद्धि का एकमात्र मार्ग भी है।

(लेखक पत्रकार हैं)

उद्यम में है लक्ष्मी का वास

काम का ढेर देखकर कभी घबराना नहीं। मनुष्य काम करने के लिए ही जन्मा है। वह नहीं चाहेगा तो भी उसे काम करना ही पड़ेगा। जो कर्तव्य-कर्म करने में उत्साही है, वही दूसरों के लिए उपयोगी होने का सुख भोग सकता है। उद्यम में लक्ष्मी का वास है और आलस्य में अलक्ष्मी का। उद्यमी को देखकर कमनसीबी डरके भाग जाती है। उद्यम करने पर भी कभी ध्येय सिद्ध न हो तो भी उदास न हों, क्योंकि पुरुषार्थ अथवा प्रयत्न स्वयं ही एक बड़ी सिद्धि है। दुःख से कभी डरें नहीं, बल्कि उसे देखकर उसके सामने हँसें। आपको हँसते देखकर दुःख स्वयं ही डरके भाग जाएगा। मानव को दुःख का शिकार नहीं होना चाहिए, न ही सुख में फूलना चाहिए।

सुख सपना दुःख बुलबुला, दोनों हैं मेहमान।
दोनों बीतन दीजिए, जो भेजें भगवान?

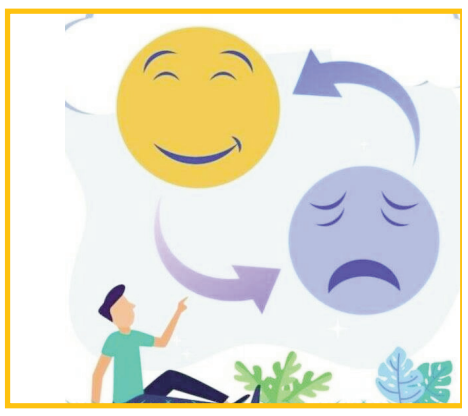

विचार मंथन

ट्रंप के टैरिफ, वैश्विक व्यापार संधि को चुनौती

(लेखक- सनत जैन)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति ने वैश्विक व्यापार व्यवस्था की बुनियाद को झकझोर कर रख दिया है। अमेरिका फर्स्ट के नारे के तहत ट्रंप ने आयात शुल्क को अमेरिका का नीतिगत वैश्विक दादागिरी का हथियार बना दिया है। इसके दायरे में चीन, रूस, यूरोप के देश अथवा विकासशील सभी देश शामिल हैं। ट्रम्प की इस नीति ने केवल द्विपक्षीय व्यापार को नहीं, बल्कि विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की प्रासंगिकता को भी कटघरे में खड़ा कर दिया है। वैश्विक व्यापार संधि का मूल सिद्धांत, अंतरराष्ट्रीय नियमों के तहत सभी देशों के बीच में व्यापार करने की सुविधा थी। ट्रंप प्रशासन ने स्टील, एल्युमिनियम, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य उत्पादों पर एक तरफा टैरिफ लगाकर वैश्विक व्यापार संधि के नियमों को खुली चुनौती दी है। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देकर लगाए गए ये टैरिफ दरअसल अमेरिका के संरक्षणवाद और दादागिरी का नया चेहरा है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है, अमेरिका ने डब्ल्यूटीओ की विवाद निपटान प्रणाली को ही पंगु बना दिया है। अपीलीय निकाय में जजों की नियुक्ति को रोक कर सारे विश्व को यह संदेश दे दिया गया है। यदि फैसले अमेरिका के अनुकूल न हों, तो वह संस्थान ही निष्क्रिय कर दो। दुनिया के सभी देश अमेरिका की इस दादागिरी का विरोध भी नहीं कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप का यह रवैया वैश्विक व्यापार संधि की नियम-आधारित व्यवस्था से हटकर ताकत-आधारित व्यवस्था की ओर ढकेल रहा है। ट्रंप के टैरिफ के कारण वैश्विक आपूर्ति एवं लेन-देन की व्यवस्थाएं बुरी तरह से प्रभावित हुईं हैं। अमेरिका सहित दुनिया के देशों में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ी है। दुनिया के देशों में आर्थिक एवं सामरिक अनिश्चितता का माहौल बना है। विकासशील देशों के लिए यह स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण हो गई है। क्योंकि वह न तो प्रतिशोधात्मक टैरिफ लगाने की स्थिति में हैं और ना हीं वैश्विक व्यापार संधि के नियमों के तहत उन्हें न्याय मिल पा रहा है। वैश्विक व्यापार संधि के नियमों के अनुसार त्वरित न्याय पाने की आशा भी पूरी तरह से खत्म हो गई है।

वैश्विक व्यापार संधि, जिसने सारी दुनिया के देशों को एक दूसरे से जोड़ने का काम किया था। वह व्यवस्था एक ऐसे चौराहे पर आकर खड़ी हो गई है। जहां पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दादागिरी देखने को मिल रही है। अमेरिका के एकाधिकार वाद ने बहुपक्षवाद की व्यवस्था को कड़ी चुनौती दी है। वैश्विक व्यापार संधि की संस्थाओं और नियमों का पालन नहीं होने के कारण सारी दुनिया के देश अधिनायकवाद की व्यवस्था से फिर एक बार जुड़ने की कोशिश कर रहे हैं। जो वैश्विक शांति के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया है। दूसरी ओर राष्ट्रवादी संरक्षणवाद की दादागिरी की ट्रंप-नीति ने यह साफ कर दिया है, यदि सबसे शक्तिशाली देश नियम तोड़ने लगे, तो संस्थाएँ केवल कागज़ी बनकर रह जाती हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद और अन्य वैश्विक संस्थाओं का लगभग यही हाल हैं। वैश्विक व्यापार सन्धि कुछ देशों की राजनीतिक इच्छाओं का बंधक बनकर रह जाएगी? या वैश्विक व्यापार संधि के नियमों में सुधार कर फिर से इसे वैश्विक स्तर पर प्रभावी बनाया जाएगा? इसकी जिम्मेदारी केवल अमेरिका की नहीं है। पूरी दुनिया के देशों की सामूहिक समझदारी एवं जिम्मेदारी पर ही वैश्विक व्यापार संधि का भविष्य निर्भर करता है।

वैश्विक व्यापार संधि यदि टूटती है तो इसका असर विकासशील देशों पर तो पड़ेगा ही सारी दुनिया के देशों के लिए आर्थिक मंदी का खतरा भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ेगा। वैश्विक व्यापार संधि लागू होने के बाद दुनिया के सारे देशों की सरकारें भारी कर्ज में हैं। आम नागरिक भी कर्ज के बोझ से दबे हुए हैं। वैश्विक व्यापार संधि के माध्यम से आर्थिक विकास रोजगार और सामाजिक विकास को बढ़ाने के लिए जो कर्ज की व्यवस्था शुरू की गई थी, उससे अब कोई भी नहीं बचा है। वैश्विक व्यापार संधि को कमजोर करना वैश्विक अर्थ व्यवस्था को कमजोर करना है। इसकी कीमत सभी देशों को चुकानी पड़ेगी। दुनिया के साथ से ज्यादा देशों में आर्थिकमंदी, बेरोजगारी और महंगाई के खिलाफ अभी आंदोलन चल रहे हैं। वर्तमान में जो लोग सत्ता में बैठे हुए हैं, उन्हें चुनौती मिल रही है। आम जनता महंगाई और बेरोजगारी के कारण त्रस्त है। जिसके कारण दुनिया में आर्थिक मंदी आने के बाद दुनिया के देशों में आपसी विवाद बड़ी तेजी के साथ बढ़ेंगे। यह स्थिति तीसरे विश्व युद्ध को भी जन्म दे सकती है। इस तरह की धारणाएं बनने लगी हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डीमार्ट का तीसरी तिमाही में मुनाफा 18 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख सुपरमार्केट चेन डीमार्ट ने दिसंबर 2025 में खत्म हुई तीसरी तिमाही के नतीजे जारी किए। कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 18.28 फीसदी बढ़कर 855.78 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले साल यह 723.54 करोड़ रुपये था। कुल रेवेन्यू 18,100.88 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल 15,972.55 करोड़ रुपये था। इस दौरान कंपनी के कुल खर्च 16,942.62 करोड़ रुपये तक बढ़ गए, जो पिछले साल 15,001.64 करोड़ रुपये थे। बोर्ड ने अंशुल असावा को 1 अप्रैल 2026 से सीईओ और एमडी बनाने की मंजूरी दी। मौजूदा सीईओ इग्नेशियस नवील नोरोन्हा 31 जनवरी 2026 को पद छोड़ेंगे।

सिग्नेचर ग्लोबल की बिक्री में 27 फीसदी गिरावट

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल ने रविवार को बताया कि दिसंबर तिमाही में उसकी बिक्री बुकिंग में 27 फीसदी की गिरावट आई। त्योहारी सीजन के बावजूद, इस दौरान कंपनी ने केवल 2,020 करोड़ रुपये की संपत्तियां बेचीं, जबकि पिछले साल समान तिमाही में 2,770 करोड़ रुपये की बिक्री हुई थी। कंपनी ने 408 इकाइयां बेचीं, जो पिछले साल की इसी अवधि के 1,518 इकाइयों से कम हैं। हालांकि, सिग्नेचर ग्लोबल के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि उनके प्रीमियम प्रोजेक्ट सर्वम को ग्राहकों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है, खासकर द्वारका एक्सप्रेसवे पर स्थित 'डीएक्सपी एस्टेट' में। सिग्नेचर ग्लोबल ने 2025-26 के पहले नौ महीनों में स्वस्थ प्रदर्शन का दावा किया, लेकिन बिक्री में गिरावट का कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया।

एनएसई आईपीओ को राहत, सेबी से मिल सकता है एनओसी

2016 से अटका आईपीओ अब अंतिम चरण में, 8-9 महीनों में हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के आईपीओ को लेकर एक अहम और सकारात्मक खबर सामने आई है। देश के बाजार नियामक सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) से एनएसई को इसी महीने नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) मिलने की संभावना है। यह जानकारी सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने चेन्नई में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दी। सेबी के चेयरमैन ने कहा कि महीने के अंत से पहले एनएसई को मंजूरी मिल सकती है। इसके बाद आईपीओ की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना पूरी तरह से एनएसई पर निर्भर करेगा। एनओसी मिलने से एनएसई के लिए शेयर बाजार में लिस्ट होने का रास्ता साफ हो जाएगा। एनएसई का आईपीओ वर्ष 2016 से लंबित है। को-लोकेशन और डार्क फाइबर एक्सेस से जुड़े नियामकीय और कानूनी मामलों के चलते आईपीओ प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पाई। एनएसई ने 2016 में डीआरएचपी दाखिल किया था और इसके बाद कई बार सेबी से एनओसी के लिए संपर्क किया। सीईओ के अनुसार, एनओसी मिलने के बाद एक्सचेंज को लिस्ट होने में करीब 8 से 9 महीने का समय लग सकता है। उल्लेखनीय है कि एनएसई के पास पहले से ही लगभग 1.72 लाख शेयरहोल्डर्स हैं और कंपनी में किसी प्रमोटर की हिस्सेदारी नहीं है।

पिछले सप्ताह सोना और चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव रहा

सप्ताहभर में सोना 3,114 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी लगभग 15,686 रुपए महंगी

नई दिल्ली ।

बीते एक सप्ताह में चांदी की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव देखा गया। 2 जनवरी को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर 5 मार्च एक्सपायरी वाली चांदी का भाव 2,36,316 रुपए प्रति किलोग्राम था। कारोबारी हफ्ते के दौरान चांदी ने तेज़ उछाल मारा और 2,59,692 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई। हालांकि, सप्ताह के अंत में मुनाफावसूली के चलते शुक्रवार को इसका बंद भाव 2,52,002 प्रति किलोग्राम रहा। पूरे हफ्ते में चांदी लगभग 15,686 रुपए महंगी हुई। अभी भी यह अपने रिकॉर्ड स्तर से करीब 7,690 नीचे है, जिसे कुछ निवेशक खरीदारी का अवसर मान रहे हैं। वहीं सोने की कीमतों में भी हल्की तेजी देखने को मिली। 2 जनवरी को 24 कैरेट सोने का भाव 1,35,761 प्रति 10 ग्राम था, जबकि शुक्रवार को एमसीएक्स पर 5 फरवरी एक्सपायरी वाले सोने का भाव 1,38,875 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। सप्ताहभर में सोना लगभग 3,114 रुपए प्रति 10 ग्राम महंगा हुआ। हालांकि, सोना अब भी अपने लाइफटाइम हाई 1,40,465 रुपए प्रति 10 ग्राम से लगभग 1,590 रुपए कम है। इंडियन बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार घरेलू सोने के भाव इस प्रकार हैं- 24 कैरेट का भाव 1,37,120 रुपए, 22 कैरेट 1,33,830, 20 कैरेट 1,22,040 रुपए, 18 कैरेट 1,11,070 रुपए और 14 कैरेट के दाम 88,440 रुपए। बीते सप्ताह में चांदी और सोने दोनों में तेजी रही, हालांकि दोनों अभी अपने उच्चतम स्तर से नीचे कारोबार कर रहे हैं। निवेशक इस अवसर को खरीदारी के लिए अनुकूल मान सकते हैं, लेकिन ज्वेलरी खरीदते समय जीएसटी और मेकिंग चार्ज का ध्यान रखना आवश्यक है।

जीएसटी सुधारों ने आंशिक-हाइब्रिड एसयूवी को आकर्षक बनाया

नई दिल्ली ।

ोल्वो कार इंडिया के एक प्रमुख अे धिकारी ने बताया कि जीएसटी 2.0 ने लक्जरी वाहन खंड को सुव्यवस्थित किया है। कर संरचना में तर्कसंगत बदलाव के कारण आंशिक-हाइब्रिड एसयूवी ग्राहकों के लिए और अधिक आकर्षक हो गई हैं। प्रमुख मॉडल एक्ससी90 और एक्ससी60 की मासिक बिक्री में सुधार हुआ और दो अंकों की वृद्धि दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि वोल्वो पूरी तरह इलेक्ट्रिक भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है। वर्तमान में भारत में बेची जाने वाली हर चार कारों में लगभग एक इलेक्ट्रिक वाहन है। 2026 में कंपनी और अधिक आक्रामक ईवी पेशकश करने की तैयारी कर रही है।

कंपनी ने 2025 में अपने इंटरनल कंबशन इंजन (आईसीई) पोर्टफोलियो को आगे बढ़ाया। आंशिक-हाइब्रिड और आईसीई कारों की मजबूत मांग ने वोल्वो की बिक्री को स्थिर आधार प्रदान किया।

ईपीएफ खाते में नाम या जन्मतिथि गलत? सुधार करना बेहद आसान

सुविधा उन्हीं सदस्यों को जिनका यूएएन 1 अक्टूबर 2017 से पहले एक्टिव हुआ

नई दिल्ली ।

अगर आपके कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) खाते में नाम की स्पेलिंग गलत है, जन्मतिथि मैच नहीं कर रही या वैवाहिक स्थिति में गड़बड़ी है, तो भविष्य में पीएफ निकालते समय परेशानी हो सकती है। हालांकि अब घबराने की जरूरत नहीं है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने प्रोफाइल सुधार की प्रक्रिया को काफी सरल बना दिया है। सही शर्तें पूरी होने पर कुछ ही स्टेप्स में आपका ईपीएफ रिकॉर्ड अपडेट हो सकता है। ईपीएफओ के नियमों के अनुसार मेंबर अपनी ईपीएफ प्रोफाइल में नाम, जन्मतिथि, वैवाहिक स्थिति, माता-पिता का नाम, जॉइनिंग डेट, लीविंग डेट और नेशनलिटी जैसी जानकारियों में सुधार कर सकते हैं। अलग-अलग परिस्थितियों के लिए ईपीएफओ ने स्पष्ट प्रक्रिया तय की है। कुछ शर्तें पूरी होने पर बिना किसी दस्तावेज के भी बदलाव किया जा सकता है। इसमें नाम, नेशनलिटी, माता-पिता का नाम, वैवाहिक स्थिति, जॉइनिंग डेट और लीविंग डेट शामिल हैं। यह सुविधा उन्हीं सदस्यों को मिलती है जिनका यूएएन 1 अक्टूबर 2017 से पहले एक्टिव हुआ हो और आधार से सत्यापित हो। अगर यूएएन 1 अक्टूबर 2017 से पहले एक्टिव है, तो बदलाव के लिए जॉइंट डिक्लेरेशन पर नियोक्ता की मंजूरी जरूरी होगी। वहीं, अगर यूएएन आधार से लिंक नहीं है या यूएएन मौजूद नहीं है, तो फिजिकल जॉइंट डिक्लेरेशन भरकर नियोक्ता के जरिए ईपीएफओ को भेजना होगा। अगर पुरानी कंपनी बंद हो चुकी है, तो जॉइंट डिक्लेरेशन पर किसी अधिकृत अधिकारी जैसे गजटेड ऑफिसर, नोटरी पब्लिक, सांसद, पोस्ट मास्टर या ग्राम पंचायत प्रमुख के हस्ताक्षर जरूरी होंगे। इसके बाद आवश्यक दस्तावेज ईपीएफओ ऑफिस में जमा कराने होंगे।

कंपनियों के नतीजों, वैश्विक कारकों से तय होगी बाजार की दिशा

– वैश्विक बाजारों, डॉलर की स्थिति, कच्चे तेल की कीमतों पर भी रहेगी निवेशकों की नजर

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह 2.5 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर घरेलू स्तर पर कंपनियों के तिमाही परिणामों और वैश्विक कारकों पर होगी। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले हफ्ते में निवेशकों का मूड इन नतीजों के आधार पर तय होगा। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के नतीजे आने शुरू हो गए हैं।

सोमवार 12 जनवरी को एचसीएल टेक्नोलॉजीज और टीसीएस अपने तिमाही परिणाम जारी करेंगे। इसके बाद 15 जनवरी को इंफोसिस और 16 जनवरी को टेक महिंद्रा के वित्तीय आंकड़े सामने आएंगे। टेक्नोलॉजी कंपनियों के नतीजे निवेशकों को इस सेक्टर की रिकवरी और मुनाफे के रुझानों के बारे में संकेत देंगे। बैंकों के तिमाही नतीजे भी निवेशकों के लिए अहम होंगे। 17 जनवरी को एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के नतीजे आने वाले हैं।

इसके अलावा सप्ताह के दौरान अन्य प्रमुख बैंकों के नतीजे भी जारी होंगे। बैंकिंग सेक्टर के आंकड़े आर्थिक गतिविधियों और ऋण की मांग का स्पष्ट संकेत देंगे।

निवेशकों की नजर केवल घरेलू नतीजों पर ही नहीं, बल्कि वैश्विक बाजारों, डॉलर की स्थिति, कच्चे तेल की कीमतों और ब्याज दरों पर भी होगी। ये कारक बाजार के रुझान को प्रभावित कर सकते हैं और निवेशकों की रणनीतियों में बदलाव ला सकते हैं। बाजार के जानकारों का कहना है कि इस हफ्ते का बाजार प्रदर्शन मुख्य रूप से तिमाही नतीजों और वैश्विक परिस्थितियों पर निर्भर करेगा। निवेशक सतर्कता के साथ कंपनियों के नतीजों और आर्थिक संकेतकों पर ध्यान दे रहे हैं।

महानगरों से बाहर व्यक्तिगत परिवहन की मांग हो रही मजबूत

नई दिल्ली।

साल 2025 में यात्री वाहनों की बिक्री वृद्धि ग्रामीण बाजारों में कहीं अधिक मजबूत रही। जहां शहरी क्षेत्रों में यात्री वाहनों की बिक्री 8 प्रतिशत बढ़ी, वहीं ग्रामीण इलाकों में यह वृद्धि 12 प्रतिशत दर्ज की गई। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि ग्रामीण भारत अब देश के ऑटोमोबाइल सेक्टर की विकास कहानी में अहम भूमिका निभा रहा है। वाहन डीलरों के संगठन फाडा (फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन) के यह आंकड़े इस बात की ओर इशारा करते हैं कि महानगरों से बाहर व्यक्तिगत परिवहन की मांग लगातार मजबूत हो रही है। फाडा के मुताबिक, 2025 के दौरान ग्रामीण बाजारों में कुल 44.7 लाख यात्री वाहन बिके, जबकि 2024 में यह संख्या 41 लाख थी। इसके साथ ही वैकल्पिक ईंधन वाले वाहनों की हिस्सेदारी में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखने को मिली। कुल यात्री वाहन बिक्री का लगभग 33 प्रतिशत हिस्सा सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों का रहा। सीएनजी वाहनों की हिस्सेदारी 18 प्रतिशत से बढ़कर 21 प्रतिशत हो गई, जबकि इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी 2.4 प्रतिशत से बढ़कर 4 प्रतिशत तक पहुंच गई। हालांकि हाइब्रिड वाहनों की हिस्सेदारी में हल्की गिरावट आई और यह 8.7 प्रतिशत से घटकर 8.2 प्रतिशत रह गई। दूसरी ओर पारंपरिक ईंधन वाले वाहनों की हिस्सेदारी में कमी देखी गई। पेट्रोल से चलने वाले वाहनों की बिक्री हिस्सेदारी 2024 के 52 प्रतिशत से घटकर 2025 में 49 प्रतिशत रह गई, जबकि डीजल वाहनों की हिस्सेदारी 18 प्रतिशत पर स्थिर बनी रही।

यह रुझान साफ तौर पर दिखाता है कि उपभोक्ता धीरे-धीरे वैकल्पिक और किफायती ईंधन विकल्पों की ओर बढ़ रहे हैं। दिसंबर महीने में भी वाहन बिक्री की रफ्तार बनी रही। सालाना आधार पर दिसंबर में यात्री वाहनों की बिक्री में 26.64 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। खासतौर पर ग्रामीण बाजारों में दिसंबर के दौरान बिक्री 32.40 प्रतिशत तक बढ़ गई। दिसंबर 2024 में जहां 2,99,799 वाहन बिके थे, वहीं दिसंबर 2025 में यह आंकड़ा बढ़कर 3,79,671 यूनिट हो गया। फाडा के अध्यक्ष सीएस विघ्नेश्वर के अनुसार, इस मजबूत प्रदर्शन के पीछे कई कारक रहे। उन्होंने बताया कि अच्छी फसल पैदावार, अनुकूल मॉनसून और सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य ने ग्रामीण आय को सहारा दिया। इसके अलावा जीएसटी में कटौती, आयकर में राहत और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दरों में कमी से भी ग्रामीण उपभोक्ताओं की खरीद क्षमता बढ़ी। कुल मिलाकर 2025 में भारत की कुल खुदरा वाहन बिक्री 2.82 करोड़ इकाई रही।

दोपहिया वाहनों की बिक्री में 7.24 प्रतिशत, यात्री वाहनों में 9.70 प्रतिशत, वाणिज्यिक वाहनों में 6.71 प्रतिशत और ट्रैक्टरों की बिक्री में 11.52 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। दिसंबर 2025 में उद्योग ने 20.3 लाख वाहनों की खुदरा बिक्री की, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 14.63 प्रतिशत अधिक रही।

इस सप्ताह दो कंपनियां अपने निवेशकों को देंगी बोनस शेयर

जिन निवेशकों के नाम रिकॉर्ड में होंगे, वही इस बोनस इश्यू के हकदार होंगे

नई दिल्ली ।

इस हफ्ते शेयर दो कंपे नियां अपने निवेशकों को बोनस शेयर देने पर विचार कर रही हैं। ऑथम इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एआईआईएल) ने अपने शेयरधारकों को 4:1 के अनुपात में बोनस शेयर देने का फैसला किया है। इसका मतलब है कि जिन निवेशकों के पास 1 शेयर है, उन्हें 4 अतिरिक्त बोनस शेयर मिलेंगे। कंपनी ने इसके लिए 13 जनवरी 2026 को एक्स डेट और रिकॉर्ड डेट तय की है। इस दिन तक जिन निवेशकों के नाम रिकॉर्ड में होंगे, वही इस बोनस इश्यू के हकदार होंगे। ऑथम इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में सक्रिय है और यह कदम निवेशकों के लिए एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। वहीं एग्रोकेमिकल सेक्टर की कंपनी बेस्ट एग्रोलाइफ लिमिटेड भी अगले हफ्ते बोनस शेयर जारी करेगी। कंपनी ने 1:2 के अनुपात में बोनस शेयर देने का निर्णय लिया है। यानी जिन निवेशकों के पास 2 शेयर हैं, उन्हें 1 अतिरिक्त शेयर मिलेगा। इसके लिए कंपनी ने 16 जनवरी 2026 को एक्स डेट और रिकॉर्ड डेट घोषित की है।

बीते सप्ताह तेल-तिलहन के दाम तेजी के साथ बंद, जाड़े और मांग

सूरजमुखी, सोयाबीन डीगम और पाम तेल के आयात में कमी से अन्य तेलों के दाम प्रभावित हुए

नई दिल्ली ।

ठंड के मौसम और शादी-विवाह के सीजन में तेल-तिलहन की मांग बढ़ी। बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहन के दाम मजबूत बंद हुए। मूंगफली तेल-तिलहन के दाम स्थिर रहे। सोयाबीन और सरसों का दाम अंतर घटकर 8-10 रुपये प्रे ति किलो हो गया। सोयाबीन तेल सस्ता और मांग में बढ़त, जबकि महंगे सरसों तेलकी खपत कमजोर रही। सूरजमुखी, सोयाबीन डीगम और पाम तेल के आयात की घट-बढ़ से बाजार प्रभावित। पिछले साल आयात लागत से कम दाम पर हुआ, अब आयात कम होने से आपूर्ति सीमित। हल्के तेलों की मांग जाड़े में अधिक, बिनौला तेल के दाम सुधरे। सरसों के दाम एमएसपी से ऊपर, लेकिन खपत सीमित रही। बीते सप्ताह सरसों दाना 15 रुपये के सुधार के साथ 6,940-6,990 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 75 रुपये के सुधार के साथ 14,375 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश: 10-10 रुपये के सुधार के साथ क्रमश: 2,410-2,510 रुपये और 2,410-2,555 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमश: 100-100 रुपये के सुधार के साथ क्रमश: 5,110-5,160 रुपये और 4,810-4,860 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 300 रुपये के सुधार के साथ 13,950 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 300 रुपये के सुधार के साथ 13,550 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 350 रुपये के सुधार के साथ 10,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बीते सप्ताह सुस्त कामकाज के बीच समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन की कीमतों में स्थिरता का रुख दिखा। मूंगफली तिलहन 6,575-6,950 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 15,800 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,530-2,830 रुपये प्रति टिन पर स्थिर रुख के साथ बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 125 रुपये के सुधार के साथ 11,550 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 250 रुपये के सुधार के साथ 13,400 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 200 रुपये के सुधार के साथ 12,350 रुपये प्रति क्विंटल /

एसबीआई ने एटीएम ट्रांजेक्शन चार्ज बढ़ाए, सैलरी अकाउंट

दूसरे बैंक के एटीएम पर हर महीने 5 फ्री ट्रांजेक्शन की सुविधा पहले की तरह जारी

नई दिल्ली ।

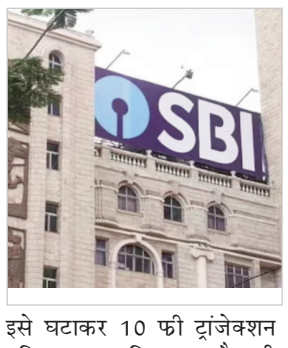

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने अपने एटीएम ट्रांजेक्शन चार्जेस में बदलाव किया है। यह संशोधन इंटरचेंज फीस बढ़ने के कारण किया गया है। नए नियमों का असर मुख्य रूप से उन ग्राहकों पर पड़ेगा जो एसबीआई खाते के बावजूद दूसरे बैंकों के एटीएम का ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। पर्सनल सेगमेंट के साधारण सेविंग्स अकाउंट (बीएसबीडी, केसीसी और सैलरी पैकेज को छोड़कर) में दूसरे बैंक के एटीएम पर हर महीने 5 फ्री ट्रांजेक्शन (फाइनेंशियल और नॉन-फाइनेंशियल) की सुविधा पहले की तरह जारी रहेगी। हालांकि, फ्री लिमिट के बाद कैश विड्रॉल पर चार्ज बढ़ाकर 23 रुपये के साथ जीएसटी कर दिया गया है, जो पहले 21 रुपये के साथ जीएसटी था। वहीं बैलेंस चेक या मिनी स्टेटमेंट जैसे नॉन-फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन पर अब 11 रुपये के साथ जीएसटी देना होगा, पहले यह 10 रुपये के साथ जीएसटी था। अब तक सैलरी पैकेज सेविंग्स अकाउंट पर दूसरे बैंक के एटीएम से अनलिमिटेड फ्री ट्रांजेक्शन की सुविधा मिलती थी। लेकिन नए नियमों के तहत इसे घटाकर 10 फ्री ट्रांजेक्शन प्रति माह कर दिया गया है। फ्री लिमिट खत्म होने के बाद कैश विड्रॉल पर 23 रुपये के साथ और नॉन-फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन पर 11 रुपये के साथ जीएसटी देना होगा। बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट (बीएसबीडी) अकाउंट होल्डर्स के लिए चार्ज में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसके अलावा एसबीआई डेबिट कार्ड से एसबीआई के अपने एटीएम या एडीडब्ल्यूएम पर ट्रांजेक्शन पहले की तरह मुफ्त रहेंगे। योनो के जरिए कार्डलेस कैश विड्रॉल भी अनलिमिटेड फ्री रहेगा। एसबीआई ने ग्राहकों को अतिरिक्त चार्ज से बचने के लिए यूपीआई, योनो ऐप और डिजिटल ट्रांजेक्शन का अधिक इस्तेमाल करने की सलाह दी है। बैंक का कहना है कि बढ़ती लागत के चलते यह बदलाव जरूरी था।

पिछले एक साल में तांबे की कीमत 60 फीसदी उछली

तांबे की बढ़ती मांग और सप्लाई की कमी से कीमतों में ऐतिहासिक उछाल

नई दिल्ली ।

2026 की शुरुआत में तांबे की कीमतों ने निवेशकों को चौंका दिया है। पिछले एक साल में तांबे की कीमत लगभग 60 फीसदी तक बढ़ चुकी है और यह तेजी की मुख्य वजह बढ़ती मांग और आपूर्ति की कमी है। लंदन मेटल एक्सचेंज का इंडेक्स मार्च 2022 के बाद अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच चुका है। तांबा अब सिर्फ घरेलू तारों या विद्युत उपकरणों तक सीमित नहीं है,

बल्कि इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी), डेटा सेंटर्स और ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट्स में भी इसकी उपयोगिता तेजी से बढ़ी है। 6 जनवरी 2026 को कॉमेक्स स्पॉट मार्केट में तांबे की कीमत 6.069 डॉलर प्रति पाउंड तक पहुंच गई,

जबकि भारत में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर तांबे की कीमत 1,392.95 रुपये प्रति किलो के शिखर पर पहुंची थी। हालांकि, 10 जनवरी को कीमत में थोड़ी गिरावट आई, जो 5.849 डॉलर प्रति पाउंड और 1,278.95 रुपये प्रति किलो पर आ गई। विशेषज्ञों के मुताबिक, तांबे की कीमतों में वृद्धि का मुख्य कारण बढ़ती डिमांड और सप्लाई का असंतुलन है। इलेक्ट्रिक वाहन, डेटा सेंटर्स और डिफेंस सेक्टर में तांबे की खपत तेजी से बढ़ी है, जबकि मौसम की मार, हड़तालें और उत्पादन की चुनौतियों ने आपूर्ति को प्रभावित किया है। इसके अलावा, डॉलर में कमजोरी और ब्याज दरों में नरमी ने भी निवेशकों को जोखिम लेने के लिए प्रेरित किया है। अंतरराष्ट्रीय कॉपर स्टडी ग्रुप के अनुसार, 2026 में तांबे की वैश्विक आपूर्ति में करीब 1.5 लाख टन की कमी हो सकती है। इस स्थिति में, जब तक स्टॉक कम रहेगा और मांग बनी रहेगी, तांबे की कीमतों में उतार-चढ़ाव के साथ तेजी जारी रहने की संभावना है।

भारतीय आईटी दिग्गज एजेंटिक एआई में आगे

व्यावसायिक वृद्धि के लिए अपना रहे नए मॉडल

नई दिल्ली ।

भारतीय आईटी कंपनियां व्यावसायिक वृद्धि और नवाचार के लिए एजेंटिक एआई को अपनाने में सबसे आगे हैं। थॉटवर्क्स द्वारा किए गए हालिया सर्वेक्षण में सामने आया कि भारत में 48 प्रतिशत कंपनियां एजेंटिक एआई को अपनी प्राथमिकता मानती हैं। यह पश्चिमी देशों से काफी अलग है, जहां पारंपरिक दक्षता बढ़ाने पर ही ज़्यादा ध्यान दिया जा रहा है। अमेरिका में यह आंकड़ा 28 प्रतिशत और ऑस्ट्रेलिया में केवल 23 प्रतिशत है। एजेंटिक एआई ऐसे स्वायत्त सिस्टम होते हैं, जो स्वतंत्र रूप से काम कर सकते हैं, तर्क कर सकते हैं और बदलती परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाल सकते हैं। भारतीय कंपनियों का यह रुझान दिखाता है

कि वे केवल एआई टूल्स का इस्तेमाल नहीं कर रहे, बल्कि एआई-आधारित कारोबारी मॉडल अपनाने के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। सर्वेक्षण में यह भी पाया गया कि भारत में 93 प्रतिशत प्रतिभागी मानते हैं कि सबसे प्रभावशाली एआई पहल वे हैं जो कर्मचारियों के कौशल और काम की गति बढ़ाती हैं।

वहीं 86 प्रतिशत प्रतिभागियों का मानना है कि एआई कर्मचारियों की जगह नहीं ले रहा, बल्कि उन्हें और सशक्त बना रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डब्ल्यूपीएल में मुंबई इंडियंस को मिली पहली जीत, दिल्ली कैपिटल्स को हराया

नवी मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस (एमआई) ने यहां महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट मुकाबले (डब्ल्यूपीएल) 2026 में दिल्ली कैपिटल्स को 50 रनो से हराकर अच्छी वापसी की है। मुंबई इंडियंस इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ अपने पहले ही मैच में हार गयी थी। इस मैच में जीत से टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है जबकि दिल्ली कैपिटल्स अपना दूसरा मुकाबाल जीतकर सबसे नीचे है। मुंबई इंडियंस की टीम ने कैपिटल्स के खिलाफ 4 विकेट के नुकसान पर 195 रन बनाए। अमेलिया केर अपना खाता भी नहीं खोल पायी। जी कमलिनी ने नैट साइवर-ब्रंट के साथ 32 गेंदों में 49 रन की बनाकर टीम को संभाला। कमलिनी 16 रन बनाकर पेवेलियन लौट। , इसके बाद साइवर-ब्रंट ने कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ तीसरे विकेट के लिए 66 रन बनाकर टीम को 117 रन तक पहुंचाया। साइवर-ब्रंट ने 70 रन बनाये। हरमनप्रीत ने नाबाद 74 रन जबकि निकोला ने 21 रन बनाये।

कैपिटल्स की ओर से नंदिनी शर्मा ने सर्वाधिक 2 विकेट निकाले, जबकि चिनेल हेनरी और श्री चरणी ने 1-1 विकेट हासिल किए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स की टीम 19 ओवरों में 145 रन ही बना पायी। टीम ने लिजेली ली का विकेट शुरुआत में ही खो दिया। ली ने 10 रन बनाये। इसके बाद शेफाली वर्मा ने भी केवल 8 रन बनाकर ही आउट हो गयीं। चिनेल हेनरी ने निकी प्रसाद के साथ छठे विकेट के लिए 40 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने का प्रयास किया पर असफल रहीं। चिनेल हेनरी ने सबसे अधिक 56 रन बनाए, जबकि निकी प्रसाद ने 12 रन की बनाये। मुम्बई की ओर से निकोला कैरी और अमेलिया केर ने 3-3 विकेट।

मलेशिया ओपनः वर्ल्ड नंबर 1 शी चोट के कारण बाहर, थाईलैंड के विटिडसर्न बने चैंपियन

कुआलालम्पुर (एजेंसी)। चीन के वर्ल्ड नंबर 1 शी यूकी रविवार को थाईलैंड के कुनलावुत विटिडसर्न के खिलाफ मलेशिया ओपन फाइनल के दौरान पीठ की चोट के कारण रिटायर हो गए। मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन शी दर्द में खेल रहे थे, लेकिन पहला गेम 21-23 से हारने के बाद उन्होंने मैच छोड़ दिया। मैच के बाद उन्होंने कुनलावुत की तारीफ की।

उन्होंने कहा, 'कुनलावुत हमेशा से बहुत मजबूत खिलाड़ी रहे हैं और अभी दुनिया के टॉप खिलाड़ियों में से एक हैं। उनके खिलाफ खेलना हमेशा एक सीखने वाला अनुभव होता है, खासकर इस तरह के फाइनल स्टेज पर।' महिला सिंगल्स फाइनल में, दक्षिण कोरिया की ओलंपिक चैंपियन एन से-यंग ने चीन की वांग झेई को 21-15, 24-22 से हराया।

वांग ने कहा कि दूसरे गेम में उनके पास मैच पलटने के मौके थे, लेकिन अहम पलों में वह चूक गईं। उन्होंने कहा, 'जब मैं पिछड़ रही थी, तो मुझे बेहतर टैक्टिकल जवाब देने चाहिए थे। मुझे उम्मीद है कि अगली बार मैं बेहतर प्रदर्शन करूंगी।' चीन ने लियू शेंगशु और टैन निंग, और फेंग यानझे और हुआंग डोंगपिंग के जरिए महिला डबल्स और मिक्स्ड डबल्स के खिताब जीते। लियू और टैन ने महिला डबल्स फाइनल में दक्षिण कोरिया की बाएक हा-ना और ली सो-ही को 21-18, 21-12 से हराया, जबकि फेंग और हुआंग ने मिक्स्ड डबल्स फाइनल में अपने ही देश के जियांग झेनबांग और वेई याक्सिन को 21-19, 21-19 से हराया। पुरुष डबल्स में, दक्षिण कोरिया के किम वोन हो और सियो सेउंग जे ने मलेशिया के आरोन चिया टेंग फोंग और सोह वूई यिक को 21-15, 12-21, 21-18 से हराया।

52 साल के हुए द्रविड़ को जन्मदिन पर मिली बधाइयां

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के भरोसेमंद बल्लेबाज राहुल द्रविड़ रविवार 11 जनवरी को 52 साल पूरे हो गए। द्रविड को इस अवसर पर क्रिकेट जगत के साथ ही प्रशंसकों ने भी शुभकामनाएं दी हैं। खेल हस्तियों और संगठनों ने उनके खेल करियर की उपलब्धियों, भारतीय क्रिकेट में उनके योगदान और उनके शांत स्वभाव की प्रशंसा की है।

द्रविड़ अपनी शानदार बल्लेबाजी के कारण कठिन हालातों में भी भारतीय टीम की ढ़ाल बनकर सामने आये। वह टीम के कप्तान भी रहे। वह हमेशा ही एक शांत क्रिकेटर रहे। खेल से संन्यास के बाद कोच और कमेंटेटर के तौर पर भी वह खासे सफल रहे। आईपीएल में भी वह कई टीमों से जुड़े रहे हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार द्रविड़ अपने शुरुआती दिनों में क्रिकेट नहीं बल्कि हॉकी पसंद करते थे। प्लेयर बनने का था. वह स्कूल में हॉकी खेला करते थे। स्कूल टीम में वह सेंटर-हाफ के तौर पर खेलते थे। द्रविड़ राज्य की जूनियर टीम में भी रहे थे। एक दिन कोच ने अचानक ही उन्हें सेंटर-हाफ से हटाकर राइट-हाफ में खेलने भेज दिया। तब उन्हें लगा कि उनके खेल का स्तर अच्छा नहीं है। उन्होंने कहा, ÷हॉकी टीम में पोजीशन बदलने के बाद मेरे पास क्रिकेट में जाने का विकल्प था।.÷ इसी कारण उनका ध्यान क्रिकेट की ओर आ गया। इसके बाद उन्हें हॉकी से ज्यादा क्रिकेट में आनंद आने लगा और वह क्रिकेट में ही रम गये। जूनियर लेवल पर धीरे-धीरे उनकी पहचान बनने लगी। इसी दौरान नाम कोच केकी तारापोर की उनकी प्रतिभा का पहचाना और यहीं से उनका खेल में आगे बढ़ने का सफर शुरु हो गया। उन्हें 1990 में पहली बार कर्नाटक राज्य टीम में शामिल किया गया। घरेलू क्रिकेट में डेब्यू के बाद द्रविड़ को छह साल बाद भारतीय टीम में जगह मिल गयी। द्रविड़ ने अप्रैल, 1996 में श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय में डेब्यू का मौका मिला। जिसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। द्रविड़ ने भारतीय टीम के दिग्गज खिलाड़ियों में जगह बनाने के साथ ही भारत के लिए 164 टेस्ट, 344 एकदिवसीय और 1 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलते हुए 52.31 की औसत से 13288 रन बनाए। उन्होंने 63 अर्धशतक और 36 शतक लगाये। टेस्ट में द्रविड़ के नाम 5 दोहरे शतक भी है। वहीं एकदिवसीय में द्रविड़ ने 10889 रन बनाए हैं। इस फॉर्मेट में उनके नाम 83 अर्धशतक और 12 शतक है। उनके खेल की सबसे बड़ी खूबी ये रही कि वह एक भरोसेमंद बल्लेबाज रहे हैं जब भी टीम संकटों में घिरी द्रविड़ ने उसे संभाला। कई शीर्ष गेंदबाज भी उनके सामने विफल रहे। इसी कारण उन्हें भारत की दीवार भी कहा जाता रहा है।

एशेज ट्रॉफी की कीमत सिर्फ 7.99 पाउंडः क्यों सबसे खास है क्रिकेट की यह जंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिडनी में इंग्लैंड को हराकर ऑस्ट्रेलिया ने एक बार फिर एशेज पर कब्जा बरकरार रखा और क्रिकेट की सबसे पुरानी व प्रतिष्ठित प्रतिद्वंद्विता को नया अध्याय दे दिया। एशेज को सिर्फ एक द्विपक्षीय सीरीज़ कहना इसकी महत्ता को कम करके आंकना होगा। यह मुकाबला डेढ़ सौ साल से भी अधिक पुरानी परंपरा, राष्ट्रीय सम्मान और खिलाड़ियों की शारीरिक व मानसिक सहनशक्ति की अंतिम परीक्षा माना जाता है। हैरानी की बात यह है कि जिस ट्रॉफी के लिए इतनी कड़ी जंग होती है, उसकी वास्तविक कीमत महज़ 7.99 पाउंड, यानी लगभग 968 रुपये आंकी गई है, फिर भी इसकी प्रतिष्ठा किसी विश्व कप या आईसीसी ट्रॉफी से कम नहीं मानी जाती।

एशेज ट्रॉफी दरअसल एक छोटा सा कलश है, जिसे 1882 में इंग्लैंड की

ऑस्ट्रेलिया से ऐतिहासिक हार के बाद प्रतीकात्मक रूप से बनाया गया था। मान्यता है कि इसमें जली हुई बेल्स की राख रखी गई है। आज विजेता टीम को जो ट्रॉफी सौंपी जाती है, वह मूल कप प्रतिकृति होती है, जबकि असली कलश लंदन के लॉर्ड्स म्यूज़ियम में सुरक्षित है। क्रिकेट इतिहासकारों और बोर्ड से जुड़े सूत्रों के अनुसार, इसकी भौतिक कीमत बेहद मामूली है, लेकिन इसका भावनात्मक और ऐतिहासिक मूल्य अनमोल है।

इस बात का दिलचस्प खुलासा इंग्लैंड के महान तेज़ गेंदबाज़ जिमी एंडरसन ने अपनी आत्मकथा ÷फाइंडिंग दा ऐज÷ में किया है। एंडरसन ने 2009 की एशेज जीत के बाद का एक किस्सा साझा करते हुए बताया कि जश्न के दौरान जब वे और ग्रैम स्वान ट्रॉफी थामे हुए थे, तो उन्हें उसके नीचे कुछ चिपका हुआ महसूस हुआ। ट्रॉफी को पलटने पर पता चला कि उस पर अब भी प्राइज़ टैग लगा था, जिस पर 7.99 पाउंड लिखा हुआ था। जल्दबाज़ी में टैग हटाना तक भूल जाना इस बात का प्रतीक था कि एशेज जीतने की खुशी में खिलाड़ी हर छोटी-बड़ी चीज़ से बेखबर हो जाते हैं।

एशेज ट्रॉफी की कम कीमत अक्सर लोगों को चौंकाती है, लेकिन यही इसकी खूबी भी है। इस ट्रॉफी के लिए खिलाड़ी अपना करियर, शरीर और मानसिक संतुलन तक दांव पर लगा देते हैं। महीनों की थकान, चोटों का दर्द और अपार दबाव झेलने के बाद इसे जीतना ही असली पुरस्कार है। यही कारण है कि 7.99 पाउंड की यह ट्रॉफी भावनात्मक और ऐतिहासिक मायनों में क्रिकेट की सबसे महंगी और सबसे कठिन उपलब्धि मानी जाती है।

टॉप सीड एलिना स्वितोलिना ने ऑकलैंड का खिताब जीता

वेलिंगटन। टॉप-सीड एलिना स्वितोलिना ने रविवार को अपना 19वां WTA खिताब जीता, उन्होंने न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में ACB क्लासिक फाइनल में चीन की वांग शिन्यू को 6-3, 7-6(8) से हराया। 31 साल की यूक्रेनी खिलाड़ी ने सभी चार ब्रेक पॉइंट बचाए, पहले सर्व के 74 प्रतिशत पॉइंट जीते, और मैच का एकमात्र ब्रेक 4-2 पर वांग की सर्विस तोड़कर हासिल किया, जिसके बाद उन्होंने दूसरे सेट का टाईब्रेक जीता। स्वितोलिना ने 2025 के आखिर में चोट के कारण चार मैचों की हार का सिलसिला खत्म करते हुए WTA 250 इवेंट में लगातार पांच मैच जीते। एक घंटे और 42 मिनट तक चले मैच के बाद कोर्ट पर स्वितोलिना ने कहा, 'एक और खिताब जीतना वाकई बहुत अच्छा लग रहा है, खासकर मेरे लिए साल के बहुत अच्छे अंत के बाद।' सातवीं वरीयता प्राप्त 24 साल की वांग ने शनिवार को सेमीफाइनल में फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला को हराकर अपने करियर का दूसरा फाइनल खेला। वह इससे पहले पिछले जून में बर्लिन में घास के कोर्ट पर WTA फाइनल में पहुंची थीं, जहां उन्हें चेक खिलाड़ी मार्केटा वोंद्रोसोवा से हार का सामना करना पड़ा था।

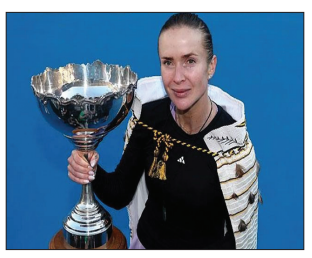

फीफा विश्व कप ट्रॉफी दिल्ली पहुंची, वर्ल्ड टूर के तहत तीन दिन भारत में रहेगी

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 की असली ट्रॉफी शनिवार को अपने वर्ल्ड टूर के तहत भारत पहुंची, जो यहां तीन दिनों तक रहेगी। इस दौरान यह ट्रॉफी दो दिनों तक दिल्ली में रहेगी और उसके बाद इसे असम के गुवाहाटी ले जाया जाएगा। फीफा विश्व कप की शुरुआत 11 जून को होगी। विश्व कप ट्रॉफी लगभग 12 साल के बाद भारत आई है। इस ट्रॉफी टूर का आयोजन वैश्विक पेय कंपनी कोका-कोला कर रही है, जो फीफा विश्व कप की आधिकारिक भागीदार है। यहां आयोजित एक समारोह में ब्राजील के पूर्व विश्व कप विजेता खिलाड़ी और फीफा दिग्गज गिलबर्टो सिल्वा तथा केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मंडाविया की उपस्थिति में इस असली ट्रॉफी का अनावरण किया गया। इस अवसर पर मंडाविया ने कहा कि यह ट्रॉफी देश के युवाओं को फुटबॉल के खेल के प्रति प्रोत्साहित करेगी। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में खेल एक राष्ट्रीय प्राथमिकता बनकर उभरा है। हम एक दशक के भीतर, यानी 2036 तक भारत को दुनिया के शीर्ष दस खेल राष्ट्रों में शामिल करने के लिए काम कर रहे हैं। कोका-कोला इंडिया और दक्षिण पश्चिम एशिया के अध्यक्ष संकेत रे ने कहा कि खेल राष्ट्र निर्माण का एक बहुत मजबूत और शक्तिशाली स्तंभ बनकर उभरा है। उन्होंने कहा, इसकी वजह विकसित भारत 2047 के साथ निकटता से जुड़ी है, जहां युवा भारत विश्व मंच पर नेतृत्व करने, प्रतिस्पर्धा करने और उत्कृष्टता हासिल करने के लिए तैयार है। फीफा विश्व कप के साथ कोका-कोला का जुड़ाव खेलों और युवाओं पर इस राष्ट्रीय ध्यान को साकार करता है। उन्होंने बताया कि कोका-कोला 1978 से फीफा विश्व कप का आधिकारिक भागीदार रहा है और दुनिया भर में नियमित रूप से इसका प्रचार कर रहा है।

विराट कोहली सबसे तेज 28000 रन बनाने वाले खिलाड़ी बने, सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा

वडोदरा। भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे के दौरान इंटरनेशनल क्रिकेट में सभी फॉर्मेट में 28,000 रन बनाने वाले सबसे तेज खिलाड़ी बन गए और सचिन तेंदुलकर के बाद दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। अपने 624वें इनिंग में खेलते हुए कोहली ने न्यूजीलैंड के लेग-स्पिनर आदित्य अशोक की गेंद पर चौका लगाकर यह मुकाम हासिल किया। तेंदुलकर ने यह मुकाम अपने 644वें इनिंग में हासिल किया था, जबकि श्रीलंकाई दिग्गज कुमार संगकारा, जो 28000 रन क्लब में तीसरे खिलाड़ी हैं ने यह उपलब्धि अपने 666वें इनिंग में हासिल की थी। इस 37 साल के बल्लेबाज ने इस मैच से पहले इंटरनेशनल क्रिकेट में सभी फॉर्मेट में 27975 रन के साथ उतरे थे। तेंदुलकर ने 782 इनिंग में 34357 रन बनाए जबकि संगकारा ने 666 इनिंग में 28016 रन बनाए। फरवरी 2023 में कोहली 25000 रन बनाने वाले सबसे तेज बल्लेबाज बने थे। उन्होंने यह मुकाम 549 इनिंग में हासिल किया था जो तेंदुलकर से 28 इनिंग पहले था। अक्टूबर 2023 में कोहली 26000 रन बनाने वाले सबसे तेज खिलाड़ी बने। एक साल बाद सितंबर 2024 में उन्होंने अपने 594वें इनिंग में 27000 रन पूरे किए।

टी20 फॉर्मेट में भारत अलग चुनौती पेश करता है, वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचना तय

-क्रिकेटर ग्रीम स्मिथ ने टीम इंडिया की घरेलू परिस्थितियों में मजबूती की तारीफ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और दिग्गज क्रिकेटर ग्रीम स्मिथ ने टीम इंडिया की घरेलू परिस्थितियों में मजबूती और गहराई की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि भारत जैसी टीम को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता और आगामी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में उसका सेमीफाइनल तक पहुंचना तय माना जा सकता है।

स्मिथ ने कहा कि घरेलू मैदानों पर खेला जाने वाला यह विश्व कप भारत को अतिरिक्त बढ़त देगा और टीम ट्रॉफी जीतने की प्रबल दावेदार है। हाल ही में भले ही दक्षिण अफ्रीका ने भारत को उसके घर में टेस्ट सीरीज हराई हो, लेकिन स्मिथ के मुताबिक टी20 फॉर्मेट में भारत अलग चुनौती पेश करता है। उन्होंने कहा कि

भारतीय टी20 टीम में आक्रामकता, गहराई और मैच जिताने की क्षमता है। स्मिथ ने यह कहा कि टेस्ट और टी20 क्रिकेट की परिस्थितियां और मांगें अलग होती हैं, इसलिए टेस्ट सीरीज के नतीजों को टी20 वर्ल्ड कप से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ग्रीम स्मिथ ने भारतीय क्रिकेट में चल रहे बदलाव के दौर का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में टीम एक नए फेज से गुजर रही है, जहां सीनियर खिलाड़ियों और नई पीढ़ी के बीच संतुलन बनाने की कोशिश हो रही है। यह देखना दिलचस्प होगा कि यह ट्रांजिशन कितनी तेजी और मजबूती से आगे बढ़ता है। हालांकि, स्मिथ का मानना है कि भारत की टैलेंट पूल इतनी मजबूत है कि किसी भी स्थिति में टीम प्रतिस्पर्धी बनी रहती है। उन्होंने कहा कि अगर भारत टॉप-4 में नहीं पहुंचता है तो यह उनके लिए हैरानी की बात होगी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत में अब एक महीने से भी कम समय बचा है और स्मिथ पहले से ही एक रोमांचक फाइनल की कल्पना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी ख्वाहिश है कि दक्षिण अफ्रीका फाइनल में भारत को हराकर खिताब जीते। स्मिथ के मुताबिक अगर टीम सही कॉम्बिनेशन के साथ उतरती है और मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाज भारतीय परिस्थितियों में स्पिन के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो दक्षिण अफ्रीका को इतिहास रचने का सुनहरा मौका होगा।

एस 20 मैच में लगी आग के बाद भी चलता रहा मैच

जोहांसबर्ग। यहां खेले जार हे एसए 20 के 19वें मैच के दौरान भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गयी हालांकि राहत की बात ये रही कि किसी की जान नहीं गयी। ये मामला पर्ल रॉयल्स और प्रीटोरिया कैपिटल्स के बीच हुए मैच का है। जा इय मैच के दौरन ही स्टेडियम की पार्किंग में आग लगने से स्टेडियम में बैठे प्रशंसक डर गये। आग पर किसी प्रकार से बचाव दल ने नियंत्रण कर हालात संभाले। आग के बाद भी मैच जारी रहा। इस मैच में प्रीटोरिया कैपिटल्स की टीम ने 21 रनों से जीत हासिल की। प्रीटोरिया कैपिटल्स की टीम ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 138 रन बनाये। सबसे अधिक 42 रन शेरफन रदरफोर्ड ने बनाये। वहीं वहीं शाई होप ने 22 रन बनाये। रॉयल्स की तरफ से हारिस विल्जोन, डेन लॉरेंस और सिकंदर रजा ने दो-दो विकेट लिए जबकि नकोबानी मोकोएना ने एक विकेट लिया। इसके बाद 139 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पर्ल रॉयल्स की टीम 20 ओवर में 6 विकेट खोकर केवल 117 रन ही बना पायी। रॉयल्स की ओ से कप्तान डेविड मिलर ने सबसे अधिक 45 रन जबकि रुबिन हार्मेन ने 35 रन बनाए पर ये दोनो टीम को जीत तक नहीं पहुंचा पाये। वहीं गेंदबाजी में कैपिटल्स की ओर से केशव महाराज ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए।

मोलेइरो के शानदार प्रदर्शन की बदौलत विलारियल ने ला लिगा में एलवेस को हराया

बार्सिलोना। अल्बर्टो मोलेइरो के शानदार खेल से विलरियाल ने ला लिगा (स्पेन की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग) मैच में एलवेस को 3-1 से हराकर लीग तालिका में तीसरे स्थान पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। कैनरी द्वीप समूह के इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने मध्यांतर के बाद मैच का पहला और मौजूदा सत्र का अपना आठवां गोल दागा। अनुभवी स्ट्राइकर गेरार्ड मोरेनो ने 55वें मिनट में घरेलू टीम की बढ़त दोगुनी कर दी। मोलेइरो ने इसके बाद टीम के तीसरे गोल की नींव रखी, जब उन्होंने दो डिफेंडरों के बीच से सटीक पास निकालकर जॉर्जिया के स्ट्राइकर जॉर्जेस मिकाउताद्ज़े के लिए मौका बनाया। मिकाउताद्ज़े ने गोल कर टीम को 3-0 से आगे कर दिया। एलवेस की ओर से टोनी मार्टिनेज ने 85वें मिनट में गोल कर हार के अंतर कम किया। इस जीत के बाद विलारियाल में तालिका पर शीर्ष पर काबिज बार्सिलोना से आठ अंक और दूसरे स्थान पर मौजूद रियल मैड्रिड से चार अंक कम हैं। वहीं, वह चौथे स्थान पर काबिज एटलेटिको मैड्रिड से तीन अंक आगे है। अन्य मैचों में गिरोना ने शनिवार को ओसासुना को 1-0 से हराया। तालिका में निचले स्थान पर काबिज रियाल ओविएदो ने रियाल बेटिस को 1-1 की बराबरी पर रोक दिया।

मेदवेदेव ने मिशेलसेन को हराकर ब्रिस्बेन इंटरनेशनल के फाइनल में जगह बनायी

ब्रिस्बेन। रुस के टेनिस स्टार दानिल मेदवेदेव ने अमेरिका के एलेक्स मिशेलसेन को 6-4, 6-2 से हराकर ब्रिस्बेन इंटरनेशनल के फाइनल में पवेश किया है। मेदवेदेव को हालांकि जीत के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा। इसी के साथ ही मेदवेदेव ने अपने करियर में 41वें टूर-लेवल फाइनल में जगह बनायी है। मेदवेदेव ने एलेक्स के खिलाफ मुकाबले में हालांकि 27 गलतियां कीं पर उन्होंने दूसरे सेट में सभी चार ब्रेक अंकों को बचा लिया। इसी के साथ ही उन्होंने सबसे ज्यादा फाइनल खेलने वाले अलेक्जेंडर ज्वेरेव की बराबरी की। रुसी खिलाड़ी ने इस पर खुशी जतायी कि वह कई अवसरों पर एलेक्स से बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहे। साथ ही कहा कि इसी कारण उन्हें जीत मिली। अब उनका मुकाबल फाइनल में अमेरिका के ही ब्रैंडन नाकाशिमा से होगा। इससे पहले नाकाशिमा ने एक अन्य मुकाबले में अलेक्जेंडर कोवासेविच को 7-6(4), 6-4 से हराकर अपने चौथे एटीपी टूर के फाइनल में स्थान बनया। साल 2022 में सैन डिएगो में अपने घर पर पहला खिताब जीतने के बाद यह उनका पहला फाइनल है। इस सप्ताह ब्रिस्बेन में अपने चार मैचों में वह एक भी सेट नहीं हारे है जिससे उनका मुकाबला फाइनल के लिए बढ़ा हुआ है।

न्यूजीलैंड सीरीज़ से बढ़ी हलचल, क्या 2027 वनडे वर्ल्ड कप तक खेलेंगे विराट और रोहित

नई दिल्ली(एजेंसी)। विराट कोहली और रोहित शर्मा के न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज़ के लिए टीम इंडिया से जुड़ते ही भारतीय क्रिकेट में एक बार फिर 2027 वनडे वर्ल्ड कप को लेकर चर्चाएं तेज़ हो गई हैं। जिस तरह से दोनों सीनियर बल्लेबाज़ हाल के महीनों में फिटनेस, फॉर्म और मैदान पर भूख के साथ नज़र आए हैं, उससे यह साफ संकेत मिलता है कि उनका भविष्य पूरी तरह उनके अपने फैसले पर निर्भर है। अक्टूबर से दिसंबर के बीच रोहित और विराट ने जिस प्रतिबद्धता के साथ क्रिकेट खेला है, उसने यह दिखा दिया है कि खेल अभी भी उनकी प्राथमिकता बना हुआ है। दोनों खिलाड़ियों ने न सिर्फ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खुद को साबित किया है, बल्कि बीसीसीआई की गाइडलाइंस के मुताबिक घरेलू क्रिकेट में भी हिस्सा लिया है। अगर उनके मन में 2027 वर्ल्ड कप का लक्ष्य न होता, तो ऑस्ट्रेलिया जैसी टीम के खिलाफ द्विपक्षीय वनडे सीरीज़ खेलने का शायद ही कोई ठोस कारण होता। विराट कोहली और रोहित शर्मा ऐसे मुकाम पर हैं, जहां उन्हें किसी को कुछ साबित करने की ज़रूरत नहीं है। ऐसे में केवल औपचारिक वनडे मुकाबले खेलने का कोई अर्थ नहीं बनता, जब तक कि आगे कोई बड़ा लक्ष्य न हो।

फिलहाल दोनों का फॉर्म और फिटनेस उनकी सबसे बड़ी ताकत बनकर सामने आई है। रोहित शर्मा पहले से कहीं ज्यादा फिट दिख रहे हैं, जबकि विराट कोहली की फिटनेस हमेशा से ही उनकी पहचान रही है। अहम बात यह है कि दोनों रन बना रहे हैं, बड़े स्कोर खड़े कर रहे हैं और मैच पर अपनी पकड़ दिखा रहे हैं। आत्मविश्वास और अनुभव के इस मेल ने उन्हें एक बार फिर भारतीय वनडे टीम का मजबूत स्तंभ बना दिया है। अब सवाल सिर्फ इतना है कि क्या वे 50 ओवर के फॉर्मेट में आगे भी खेलना चाहते हैं और क्या 2027 वर्ल्ड कप को आखिरी बड़ी चुनौती के रूप में देखते हैं। विराट कोहली 2011 में वनडे वर्ल्ड कप जीत चुके हैं, लेकिन रोहित शर्मा के शानदार करियर में यह ट्रॉफी अब तक नहीं जुड़ पाई है। ऐसे में 2027 का वर्ल्ड कप रोहित के लिए एक परफेक्ट फिनाले साबित हो सकता है। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का भी मानना है कि दक्षिण अफ्रीका जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अनुभव और क्लास की जरूरत होगी, जो विराट और रोहित दोनों के पास भरपूर है।

यह भी हकीकत है कि वर्ल्ड कप से ठीक एक साल पहले टीम में बड़े बदलाव करना आसान नहीं होता। इसी वजह से तमाम संकेत यही इशारा कर रहे हैं कि विराट कोहली और रोहित शर्मा 2027 वर्ल्ड कप में भारतीय जर्सी में नजर आ सकते हैं। अगर ऐसा होता है, तो यह टूर्नामेंट भारतीय क्रिकेट के लिए किसी मेगा

ब्लॉकबस्टर से कम नहीं होगा। फिलहाल, क्रिकेट प्रेमियों के लिए सबसे बेहतर यही है कि वे न्यूजीलैंड के खिलाफ इन दोनों दिग्गजों की बल्लेबाज़ी का भरपूर आनंद लें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विघ्नहर्ता गणेश को ऐसे मनाएं

विघ्नहर्ता विनायक भगवान गणेश की पूजा यदि सच्चे मन से की जाए तो हर समस्या का समाधान संभव है। बुधवार भगवान गणेश का दिन होता है। बुधवार को गणेश की पूजा करें तो संतान, शिक्षा और भाग्य समृद्ध होता है। गणपति की उपासना से कुंडली के अशुभ योग भी खत्म हो जाते हैं। इसीलिए कलयुग में उन्हें विघ्नविनाशक के रूप में पूजा जाता है। श्रीगणेश जी की बुधवार को पूजा करने का विधान हमारे धर्मग्रंथों में मौजूद है।

बुधवार को प्रातःकाल में स्नानादि से निवृत होकर ताम्र पत्र के श्री गणेश यन्त्र को नमक, नींबू से अच्छे से साफ करें। यंत्र को शुद्ध जल से धोने के बाद पूजा स्थल पर पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख कर के आसान पर विराजमान हो कर सामने श्री गणेश यन्त्र की स्थापना करें। आसान पर बैठने के बाद दांयी हथेली में जल ले कर आसान व भूमि पर जल छिड़कते हुए नीचे लिखे मंत्र को पढ़ें....

ऊं अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोपि वा।
यः स्मरेत पुण्डरीकाक्षं स बाह्यभ्यन्तरः शुचिः।।

अब गणेश यंत्र को शुद्ध जल चढ़ाते हुए मंत्र बोले

गंगे च यमुने चैव गोदावरि सरस्वति ।
नर्मदे सिन्धु कावेरि जलऽस्मिन्सन्निधिं कुरु।।

यदि आप इस मंत्र की आराधना सच्चे मन से करते हैं तो आपकी मनोकामना जरूर पूरी होती है।

फलदायी होती हैं हनुमान चालीसा की ये चौपाइयां

हनुमानजी की स्तुति हनुमान चालीसा से हम सभी परिचित हैं। हनुमान चालीसा की रचना गोस्वामी तुलसीदास जी ने की थी। हिंदू धर्म ग्रंथों में उल्लेखित है कि बाल्यकाल में जब हनुमानजी ने सूर्य को मुंह में रख लिया तब सूर्य को मुक्त कराने के लिए देवराज इंद्र ने हनुमानजी पर शस्त्र से प्रहार किया। इसके बाद हनुमान जी मूर्छित हो गए। हनुमानजी के मूर्छित होने की बात जब वायु देव को पता चली तो काफी नाराज हुए। लेकिन जब सभी देवताओं को पता चला कि हनुमानजी भगवान शिव के रुद्र अवतार हैं, तब सभी देवताओं ने हनुमानजी को कई शक्तियां दीं। देवताओं ने जिन मंत्रों और हनुमानजी की विशेषताओं को बताते हुए उन्हें शक्ति प्रदान की थी, उन्हीं मंत्रों के सार को गोस्वामी तुलसीदास ने हनुमान चालीसा में वर्णित किया है। हनुमान चालीसा में मंत्र नहीं हैं लेकिन हनुमानजी की पराक्रम की विशेषताएं बताई गई हैं। हनुमान चालीसा में ही ऐसी 5 चौपाईयां हैं, जिनका यदि नियमित सच्चे मन से वाचन किया जाए तो यह परम फलदायी सिद्ध होती हैं। हनुमान चालीसा का वाचन मंगलवार या शनिवार करना शुभ होता है। ध्यान रखें हनुमान चालीसा की इन चौपाइयों को पढ़ते समय उच्चारण की त्रुटि न करें।

भूत-पिशाच निकट नहीं आवे। महावीर जब नाम सुनावे।।

उपाय- यदि व्यक्ति को किसी भी प्रकार का भय सताता है तो नित्य रोज प्रातः और सायंकाल में 108 बार इस चौपाई का जाप किया जाये तो सभी प्रकार के भय से मुक्ति मिलती है।

नासै रोग हरै सब पीरा। जपत निरंतर हनुमत बल बीरा।।

उपाय- यदि व्यक्ति बीमारियों से घिरा रहता है तो निरंतर सुबह-शाम 108 बार जप करके तथा मंगलवार को हनुमान जी की मूर्ति के सामने पूरी हनुमान चालीसा के पाठ से रोगों की पीड़ा खत्म हो जाती है।

अष्ट-सिद्धि नवनिधि के दाता। अस बर दीन जानकी माता।।

उपाय- यदि जीवन में व्यक्ति को शक्तियों की प्राप्ति करनी है ताकि जीवन निर्वाह में मुश्किलों का कम सामना करना पड़े तो नित्य रोज, ब्रह्म मुहूर्त में आधा घंटा इन पंक्तियों के जप से लाभ प्राप्त हो सकता है।

विद्यावान गुनी अति चातुर। रामकाज करीबे को आतुर।।

उपाय- यदि किसी व्यक्ति को विद्या और धन चाहिए तो इन पंक्तियों के जप से हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त हो जाता है। प्रतिदिन 108 बार ध्यानपूर्वक जप करने से व्यक्ति के धन सम्बंधित दुःख दूर हो जाते हैं।

भीम रूप धरि असुर संहारे। रामचंद्रजी के काज संवारे।।

उपाय- यदि कोई व्यक्ति शत्रुओं से परेशान हैं या व्यक्ति के कार्य नहीं बन पा रहे हैं तो हनुमान चालीसा की इस चौपाई का कम से कम 108 बार जप करना चाहिए।

जैन मुनि को केश-लोचन करना अनिवार्य होता है

हाल ही में गुजरात 12वीं बोर्ड में 99.99 प्रतिशत हासिल करने वाले वर्शिल शाह जैन, जैन संत बन गए हैं। वर्शिल महज 17 साल के हैं और गुजरात के ही पालड़ी के रहने वाले हैं। दर्शिल अब जैन मुनि सुवीर्य रत्न विजयजी महाराज के नाम से जाने जाएंगे। पिछले वर्षों में गौर किया जाए तो युवाओं द्वारा संन्यास लेने की सिलसिला काफी बड़ा है। जैन धर्म के अनुयायियों के लिए भले ही यह पूरा घटनाक्रम सकारात्मक हो, लेकिन जैन धर्म के इतिहास पर नजर डालें तो पाएंगे कि जैन धर्म में संन्यास लेने वाले अनुयायी को मुनि की उपाधि दी जाती है। संन्यास लेने के बाद जैन मुनि को निर्ग्रन्थ भी कहा जाता है। मुनि शब्द पुरुषों के लिए तो आर्यिका शब्द स्त्री संन्यासियों को संबोधित किया जाता है। प्रत्येक जैन मुनि को केश-लोच करना अनिवार्य होता है।

तो क्या इतना प्राचीन है जैन धर्म

जैन धर्म ग्रंथों के अनुसार यह धर्म अनादि और सनातन है। यदि आर्यों के भारत आने के बाद से भी देखा जाये तो ऋषभदेव और अरिष्टनेमि को लेकर जैन धर्म की परंपरा वेदों तक पहुंचती है। पुराणों में वर्णित है महाभारत के युद्ध के समय इस संप्रदाय के प्रमुख नेमिनाथ थे, जो जैन धर्म में मान्य तीर्थंकर हैं। आठवीं सदी में 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ हुए, जिनका जन्म काशी में हुआ था। काशी के पास ही 11वें तीर्थंकर श्रेयांसनाथ का जन्म हुआ था। इन्हीं के नाम पर सारनाथ का नाम प्रचलित है। जैन धर्म में श्रमण संप्रदाय का पहला संगठन पार्श्वनाथ ने किया था। ये श्रमण वैदिक परंपरा के विरुद्ध थे। महावीर तथा बुद्ध के काल में ये श्रमण कुछ बौद्ध तथा कुछ जैन हो गए थे। इन दोनों ने अलग-अलग अपनी शाखाएं बना लीं। भगवान महावीर जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर थे, जिनका जन्म लगभग ई.पू. 599 में हुआ और जिन्होंने 72 वर्ष की आयु में देहत्यागी। महावीर स्वामी ने शरीर त्यागने से पहले जैन धर्म की नींव काफी मजबूत कर दी थी। अहिंसा को उन्होंने जैन धर्म में अच्छी तरह स्थापित कर दिया था। सांसारिकता पर विजयी होने के कारण वे जिन (जयी) कहलाए। उन्हीं के समय से इस संप्रदाय का नाम जैन हो गया।

क्या आप भी भगवान को फूल चढ़ाते हैं

राजा राम मोहन राय के बगीचे में बड़े ही सुंदर फूलों के पेड़ लगे थे। एक व्यक्ति था जो हर रोज वहां आता और उनसे पूछे बिना ही पूजा के लिए फूल तोड़ कर ले जाता। यह सिलसिला लगातार कई दिनों तक चलता रहा। रोज की तरह ही एक दिन उस व्यक्ति ने फूल तोड़ने के लिए अपनी चादर उतारी और पेड़ पर लटका कर फूल तोड़ने लगा। उसी समय राजा राम मोहन राय के आदेशानुसार एक सेवक ने उस व्यक्ति की वह चादर उठा ली और राजा राम मोहन राय को दे दी।

फूल तोड़ने के बाद जब वह व्यक्ति अपनी चादर लेने के लिए उस पेड़ के पास गया, जहां उसने उसे लटकाई थी, तो वहां चादर न देख वह हैरान रह गया और सोचने लगा कि आखिर उसकी चादर गई कहां? वह गुस्से से आग-बबूला हो गया। कुछ देर बाद राजा राम मोहन राय आए और उन्होंने उस व्यक्ति को उसकी चादर लौटाते हुए कहा, 'अब तो खुश हैं आप, आपको आपकी चादर वापस मिल गई।

उस व्यक्ति ने गुस्से में ही जवाब दिया, खुश? इसमें खुश होने वाली कौन-सी बात है, मुझे अपनी ही वस्तु मिली है।''

राजा राम मोहन राय ने उस व्यक्ति से पूछा, आप रोज फूल तोड़कर कहां ले जाते हैं?

उस व्यक्ति ने जवाब दिया, मैं ये फूल तोड़कर मंदिर में ले जाता हूं। भगवान को खुश करने के लिए उनको ये फूल अर्पित करता हूं।

राजा राम मोहन राय ने उस व्यक्ति का यह जवाब सुनकर कहा, पहली बात तो यह कि आप बिना पूछे ही फूल तोड़कर ले जाते हैं। चलो कोई बात नहीं, लेकिन आप भगवान की दी हुई वस्तु भगवान को अर्पित करते हैं, तो इससे भगवान खुश होते हैं क्या?

उस व्यक्ति ने कहा, क्यों नहीं, भगवान को फूल ही तो पसंद हैं, भगवान को फूलों से खुशी मिलती है।

राजा राम मोहन राय ने उस व्यक्ति से कहा, तो आपको चादर मिलने पर खुशी क्यों नहीं हुई?

राजा राम मोहन राय की यह बात सुनकर वह व्यक्ति सोच में पड़ गया और राजा राम मोहन राय बिना कुछ और कहे लौट गए।

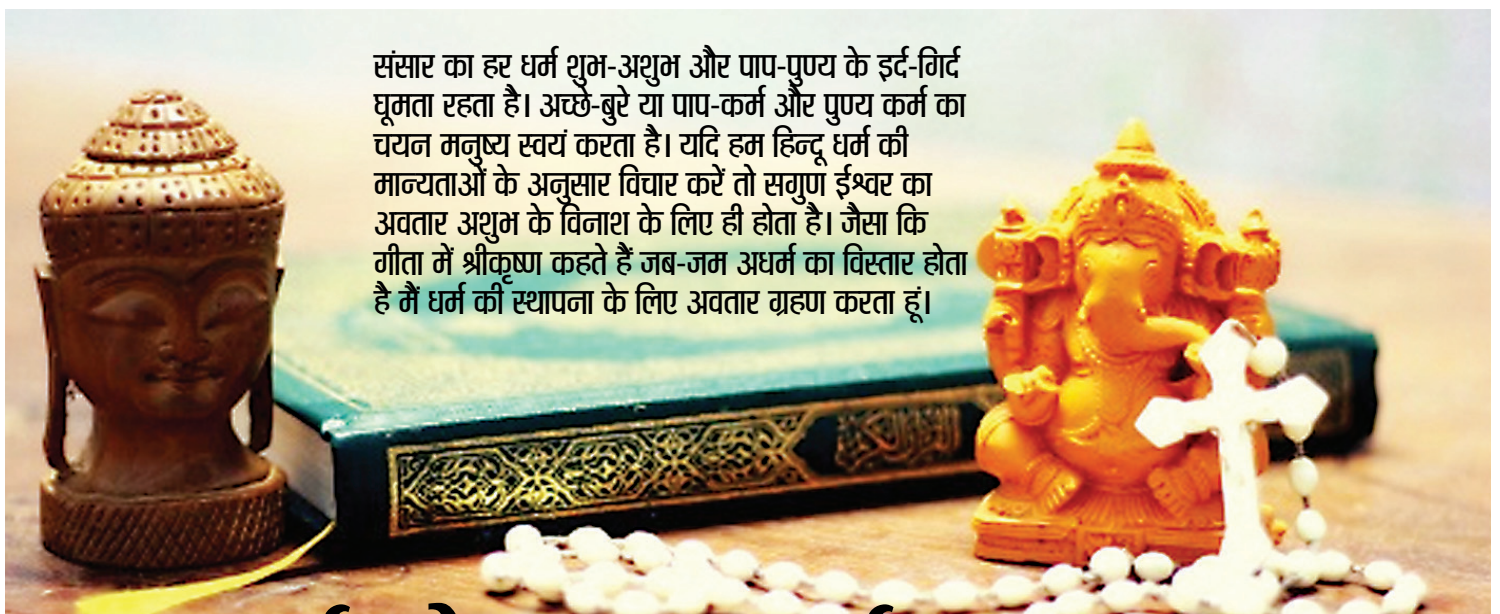

संसार का हर धर्म शुभ-अशुभ और पाप-पुण्य के इर्द-गिर्द घूमता रहता है। अच्छे-बुरे या पाप-कर्म और पुण्य कर्म का चयन मनुष्य स्वयं करता है। यदि हम हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार विचार करें तो सगुण ईश्वर का अवतार अशुभ के विनाश के लिए ही होता है। जैसा कि गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं जब-जम अधर्म का विस्तार होता है मैं धर्म की स्थापना के लिए अवतार ग्रहण करता हूं।

पाप-कर्म और पुण्य-कर्म का चयन मनुष्य स्वयं करता है

शुभ और अशुभ व पुण्य और पाप की समस्या कर्म-फल-सिध्दांत पर आधारित हैं। जीव यदि अशुभ कर्मों की ओर प्रेरित होता है तो इसके पीछे उसकी अल्पज्ञता, अज्ञान होता है। संसार का हर धर्म शुभ-अशुभ और पाप-पुण्य के इर्द-गिर्द घूमता रहता है। ईसाई धर्म में ईश-चिंतन के संदर्भ में उक्त विचारधारा प्राप्त होती है। ईश्वर परम शुभ है। अतः उस पर पाप या अशुभ का आरोपण नहीं किया जा सकता। बाइबिल में काम-वासना को पाप या अशुभ की संज्ञा दी गई है और उसका शैतान कहा गया है। ईसाई नीतिशास्त्र में पाप या अशुभ पर विचार करते हुए कतिपय महत्वपूर्ण प्रश्न उठाए गए हैं। इस संसार का निर्माण परमेश्वर ने किया, किन्तु संसार में सर्वत्र पाप ही पाप है। यदि ईश्वर ने सृष्टि की रचना की और ईश्वर शुभ और सर्वशक्तिमान है तो सृष्टि में शुभ ही शुभ होना चाहिए। ईसाई धर्म के अनुसार ईश्वर ने मनुष्य को कर्म की स्वतंत्रता प्रदान की है। अतः अच्छे-बुरे या पाप-कर्म और पुण्य कर्म का चयन मनुष्य स्वयं करता है। यदि हम हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार विचार करें तो सगुण ईश्वर का अवतार अशुभ के विनाश के लिए ही होता है। जैसा कि गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं जब-जम अधर्म का विस्तार होता है मैं धर्म की स्थापना के लिए अवतार ग्रहण करता हूं। बाइबिल में ईसा मसीह को पुत्रेश्वर कहा गया है। परमेश्वर के पुत्र के रूप में ईसा मसीह संसार के पापों को दूर करने के लिये-ही धरती पर आए थे।

मालवा की वैष्णो देवी नीमच की भादवा माता

गुप्त नवरात्र शुरू हो गए हैं। इस मौके पर हम आपको एक ऐसे शक्तिपीठ के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके बारे में कहा जाता है कि उनकी कृपा से शहर में कोई भूखा नहीं सोता। किसी के पास पैसे की तंगी नहीं रहती है। लोक कथाओं के अनुसार, हरसिद्धि मंदिर में उज्जैन के राजा रहे विक्रमादित्य की आराध्य देवी का वास है। शिवपुराण के अनुसार दक्ष प्रजापति के हवन कुंड में माता के सती हो जाने के बाद भगवान भोलेनाथ सती को उठाकर ब्रह्मांड में ले गए थे। इस दौरान माता सती के अंग जिन स्थानों पर गिरे, वहां शक्तिपीठ स्थापित हो गए। कहा जाता है इस स्थान पर माता के दाहिने हाथ की कोहनी गिरी थी और इसी कारण से यह स्थान भी एक शक्तिपीठ बन गया है। स्कंद पुराण के अनुसार, देवी को चंड एवं मुंड नामक राक्षस के वध के लिए भगवान शिव से सिद्धि मिली थी, इसीलिए वह हरसिद्धि कहलाईं। गर्भगृह में एक शिला पर श्रीयंत्र उत्कीर्ण है, जो शक्ति का प्रतीक है। यहां माता लक्ष्मी, महासरस्वती के साथ ही अन्नपूर्णा माता विराजमान हैं। यह स्थान उज्जैन के प्राचीन देवी स्थानों में अपना विशेष महत्व रखता है। वर्तमान में मंदिर के पुनर्निर्माण का श्रेय मराठों को जाता है। मंदिर के सामने मराठा वास्तुकला के अनुसार दीप स्तंभ स्थापित किए गए हैं, जिनमें 1001 दिये बने हुए हैं। दक्षिण में बनी एक बावड़ी पर 1447 संवत का एक शिलालेख भी उत्कीर्ण है। मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित शेषनारायण गोस्वामी ने बताया कि गर्भगृह में सबसे ऊपर विराजमान हैं मां अन्नपूर्णा, जिनकी वजह से उज्जैनी में हमेशा भंडारे चलते रहते हैं। कहा जाता है कि उनकी कृपा से उज्जैन में कोई भूखा नहीं सोता है। बीच में मां लक्ष्मी के स्वरुप में है, जिनकी वजह से किसी को भी लक्ष्मी की कमी नहीं आती। सबसे नीचे विराजित हैं महाकाली।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

अर्जेंटीना की अदालत से वेनेजुएला के लोगों को उम्मीद

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। अर्जेंटीना की एक संघीय अदालत ने गुरुवार को वेनेजुएला के नेशनल गार्ड के सदस्यों द्वारा किए गए मानवता के खिलाफ कथित अपराधों की जांच जारी रखने के लिए न्यायपालिका को आदेश दिया। कोर्ट ने एक पूर्व अधिकारी की अपील को खारिज कर दिया, जिसने तर्क दिया था कि अर्जेंटीना के पास वेनेजुएला के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है। न्यायाधीशों ने मांग की है कि अर्जेंटीना सार्वभौमिक क्षेत्राधिकार के सिद्धांत के तहत मामले को आगे बढ़ाए, जिसके तहत किसी भी राष्ट्रीयता के मानवाधिकार उल्लंघनकर्ताओं पर किसी भी देश में आरोप लगाया जा सकता है, चाहे अपराध कहीं भी किए गए हों।

पाकिस्तान में इमरान खान समर्थक की पुलिस की कार्रवाई में मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी के खिलाफ सेना और सरकार की दमनपूर्वक कार्रवाई जारी है। ताजा घटना में पंजाब पुलिस की कार्रवाई में एक पीटीआई समर्थक की मौत हो गई है। पीटीआई ने यह दावा किया है। दरअसल पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पीटीआई विरोध प्रदर्शन करने की तैयारी कर रही है। उससे पहले पंजाब पुलिस की कार्रवाई में जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के एक समर्थक की गुरुवार को मौत हो गई, जबकि दर्जनों अन्य को गिरफ्तार किया गया। हालांकि पंजाब पुलिस ने किसी को भी गिरफ्तार करने से इनकार किया और यह भी कहा कि खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के समर्थक की मौत में उसकी कोई भूमिका नहीं है। खान की पार्टी ने दो साल पहले आम चुनावों में 'चुराए गए जनादेश' के विरोध में 8 फरवरी को एक बड़े प्रदर्शन की घोषणा पहले ही कर दी है। इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं, जब उन्हें पहली बार गिरफ्तार किया गया था। अप्रैल 2022 में उनकी सरकार गिरने के बाद खान के खिलाफ कई मामले दर्ज किए गए हैं।

मुनीर से मिले बांग्लादेशी वायुसेना प्रमुख, द्विपक्षीय रक्षा सहयोग पर की चर्चा

इस्लामाबाद, एजेंसी। बांग्लादेश के वायुसेना प्रमुख हसन महमूद खान ने गुरुवार को पाकिस्तान के मुख्य रक्षा बल प्रमुख (सीडीएफ) आसिम मुनीर से मुलाकात कर द्विपक्षीय रक्षा सहयोग पर चर्चा की। यह बैठक रावलपिंडी स्थित जनरल हेडक्वार्टर्स में हुई। बैठक में आपसी हितों से जुड़े मुद्दों, क्षेत्रीय सुरक्षा हालात और रक्षा व सैन्य सहयोग को मजबूत करने के उपायों पर विचार-विमर्श किया गया। दोनों पक्षों ने पाकिस्तान और बांग्लादेश की सशस्त्र सेनाओं के बीच पेशेवर सहयोग, प्रशिक्षण आदान-प्रदान और रक्षा संबंधों को और सुदृढ़ करने के महत्व पर जोर दिया। वहीं, मुनीर ने बांग्लादेश के साथ दीर्घकालिक और मजबूत रक्षा संबंधों को आगे बढ़ाने के प्रति पाकिस्तान की प्रतिबद्धता दोहराई। हसन महमूद खान ने इस्लामाबाद स्थित नौसेना मुख्यालय में पाकिस्तान के नौसेना प्रमुख नवीद अशरफ से भी मुलाकात की। इस दौरान क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा और द्विपक्षीय नौसैनिक सहयोग बढ़ाने के उपायों पर चर्चा हुई।

विवेक रामास्वामी के परिवार का बॉडीगार्ड ड्रग तस्करी के आरोप में गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल के रिपब्लिकन नेता विवेक रामास्वामी के परिवार का बॉडीगार्ड ड्रग तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। बेलेफॉन्टेन के 43 वर्षीय जस्टिन साल्सबरी और उनकी पत्नी रूथएन रैंकिन पर पिछले महीने के आखिर में बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थों की तस्करी की साजिश रचने और उन्हें रखने का आरोप लगाया गया था। रामास्वामी ओहायो राज्य के गवर्नर पद का चुनाव लड़ रहे हैं। रामास्वामी की प्रचार टीम ने एक बयान जारी कर बताया कि साल्सबरी को रामास्वामी परिवार द्वारा सुरक्षा सेवाओं के लिए हायर की गई एक प्राइवेट सिक्योरिटी फर्म ने नौकरी पर रखा था। फिलहाल मामले की जानकारी मिलते ही उसे परिवार की सुरक्षा टीम से तुरंत हटा दिया गया है।

ट्रंप ने फिर अलापा वही पुराना बेसुरा राग

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर पुराना राग अलापते हुए भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष खत्म कराने का दावा किया है। ट्रंप अब तक करीब 70 बार यह दावा कर चुके हैं कि उन्होंने मई में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष को रोका था। ट्रंप ने गुरुवार को एक अमेरिकी चैनल को दिए एक इंटरव्यू में कहा, 'मैंने आठ युद्ध, साढ़े आठ युद्ध रोके, क्योंकि थाईलैंड और कंबोडिया ने फिर से लड़ना शुरू कर दिया था।' उन्होंने कहा कि थ्योरी के हिसाब से हर युद्ध रोकने के लिए नोबेल पुरस्कार मिलना चाहिए। ट्रंप ने कहा, 'कुछ युद्ध 30 साल से चल रहे थे। भारत, पाकिस्तान बड़े युद्ध के लिए तैयार थे। और ये दोनों परमाणु देश हैं। मैंने उसे रुकवाया। आठ विमान गिराए गए थे। यह एक बड़ा मामला था।'

अमेरिकी राष्ट्रपति, तुम्हारा भी पतन होगा

खामेनेई ने ट्रंप को ललकारा, फिरौन और निमरोद का जिक

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई ने शुक्रवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर तीखा हमला बोला। उन्होंने ट्रंप पर दुनिया को अहंकार के साथ परखने का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि इतिहास में ऐसे घमंडी और अत्याचारी शासक अपने सत्ता-शिखर पर ही पतन का शिकार हुए हैं। एक्स पर जारी पोस्ट में खामेनेई ने कहा कि इतिहास गवाह है- फिरौन, निमरोद और ईरान के पूर्व शाह मोहम्मद रजा पहलवी जैसे शासकों का अंत तब हुआ, जब वे अपने घमंड की चरम अवस्था में थे।

खामेनेई ने लिखा- 'अमेरिकी राष्ट्रपति जो पूरी दुनिया के बारे में घमंड से फैसले करते हैं, उन्हें पता होना चाहिए कि दुनिया के तानाशाहों और घमंडी शासकों का पतन तब हुआ जब वे अपने घमंड के चरम पर थे। तुम्हारा भी पतन होगा।' खामेनेई के बयान में धार्मिक और ऐतिहासिक प्रतीकों का संदर्भ था- फिरौन को इस्लामी और बाइबिल परंपराओं में अत्याचार के प्रतीक के रूप में देखा जाता है; निमरोद को अब्राहमिक ग्रंथों में निरंकुश शासक माना जाता है; मोहम्मद रजा पहलवी को 1979 की इस्लामी क्रांति में सत्ता से बेदखल कर दिया गया था और जिनकी बाद में निर्वासन में मृत्यु हुई।

फिरौन, निमरोद कौन थे? : फिरौन मिस्र के प्राचीन बादशाहों की एक उपाधि थी, जैसे आज राजा या सम्राट कहते हैं। लेकिन कुरान और बाइबल में जब फिरौन का जिक्र आता है, तो ज्यादातर मामलों में वह हजरत मूसा के समय का मिस्र का वह क्रूर बादशाह होता है। वह खुद को खुदा/भगवान घोषित करता था। बनी इसराइल (यहूदियों) पर बहुत जुल्म करता था। उनके नवजात बेटों को मार डालने का हुक्म देता था। आखिर में लाल सागर में डूबकर मर गया।

निमरोद बाबुल/इराक (मेसोपोटामिया) का एक बहुत शक्तिशाली और अत्याचारी बादशाह था। वह हजरत इब्राहीम के समय का शासक माना जाता है। उसने भी खुद को खुदा घोषित किया था। हालांकि कुरान में उसका नाम स्पष्ट रूप से नहीं लिया गया, लेकिन सूरह अल-बकरह में वर्णित वह बादशाह जिसने

इब्राहीम से खुदाई के बारे में बहस की थी, उसे इसी निमरोद से तस्सूर किया जाता है। इस्लामी रिवायतों में कहा जाता है कि उसकी मौत एक छोटे से मच्छर के काटने से हुई, जो उसके दिमाग में घुस गया था (अत्यंत छोटी चीज से बहुत बड़े अहंकारी का अंत)।

रजा पहलवी फिर सुर्खियों में : ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच निर्वासित क्राउन प्रिंस रजा पहलवी एक बार फिर चर्चा में हैं। वे ईरान के आखिरी शाह- मोहम्मद रजा पहलवी के पुत्र हैं। हालांकि वह जमीनी स्तर पर प्रदर्शनों का नेतृत्व नहीं कर रहे, फिर भी इस्लामी गणराज्य के मुखर आलोचक के तौर पर उन्होंने प्रदर्शनकारियों के समर्थन में लगातार बयान दिए हैं।

हालिया उथल-पुथल के दौरान रजा पहलवी ने ईरानियों से शांतिपूर्ण प्रतिरोध जारी रखने की अपील की और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से कहा कि वह शासक धार्मिक प्रतिष्ठान के बजाय ईरानी जनता का साथ दे। उन्होंने प्रदर्शनों को किसी एक नेता या विचारधारा से जुड़ी पहल नहीं, बल्कि आर्थिक बदहाली, दमन और दशकों से अधूरे वादों से उपजी जनआंदोलन बताया।

एक्स पर जारी एक वीडियो संदेश में रजा पहलवी ने कहा कि वह गुरुवार रात को सड़कों पर उतरे हर व्यक्ति पर गर्व महसूस करते हैं। उन्होंने लोगों से शुक्रवार रात फिर से बड़ी संख्या में बाहर निकलने का आह्वान किया और कहा कि भीड़ जितनी बड़ी होगी, दमनकारी ताकतें उतनी ही कमजोर पड़ेंगी। इंटरनेट पाबंदियों के बावजूद सड़कों पर डटे रहने का उन्होंने भरोसा जताया और कहा जीत आपकी होगी।

कड़ा दमन, बढ़ता तनाव : दूसरी ओर, ईरान ने संकेत दिए हैं कि सुरक्षा बल प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे- यह ट्रंप की उस सार्वजनिक प्रतिबद्धता के उलट है, जिसमें उन्होंने शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के समर्थन की बात कही थी। एपी के अनुसार, हिंसा में मरने वालों की संख्या बढ़कर कम से कम 62 हो गई है।तेहरान में अपने परिसर में समर्थकों को संबोधित करते हुए खामेनेई ने कहा कि प्रदर्शनकारी अपनी ही सड़कों को नुकसान पहुंचा रहे हैं ताकि अमेरिका के राष्ट्रपति को खुश कर सकें, और कहा कि ट्रंप को अपने देश की हालत पर ध्यान देना चाहिए। ईरान के न्यायपालिका प्रमुख गुलाम हुसैन मोहसेनी-एजेई ने चेतावनी दी कि प्रदर्शनकारियों को निर्णायक, अधिकतम और बिना किसी कानूनी रियायत के सजा दी जाएगी।

अब ट्रंप के निशाने पर मेक्सिको, बोले-ड्रग तस्करी नेटवर्क तबाह करने के लिए जमीनी हमले करेंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी। वेनेजुएला पर कार्रवाई के बाद डोनाल्ड ट्रंप के निशाने पर अब मेक्सिको है। ट्रंप ने कहा कि उनका प्रशासन जल्द ही क्षेत्र में ड्रग तस्करी नेटवर्क को खत्म करने के लिए जमीनी हमले की कार्रवाई शुरू करेगा। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'मेक्सिको पर ड्रग कार्टेल का राज है। यह देखना बहुत ही दुखद है। यह अमेरिका में हर साल 2.5 लाख से 3 लाख लोगों की मौत का कारण बन रहे हैं।'

'पानी के बाद अब ड्रग तस्करी के खिलाफ जमीनी हमले करेंगे' : ट्रंप ने कहा, 'हमने पानी के रास्ते से होने वाली ड्रग तस्करी को 97 फीसदी तक खत्म कर दिया है और अब हम कार्टेल के सफाए के लिए जमीनी कार्रवाई शुरू करने जा रहे हैं।' हालांकि उन्होंने योजनाओं के बारे में और कोई जानकारी नहीं दी। इस हफ्ते की शुरुआत में ट्रंप ने कहा था कि उन्होंने ड्रग कार्टेल से निपटने के लिए मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबॉम के साथ अमेरिकी सैन्य मदद की संभावना पर बात की और चेतावनी दी कि मेक्सिको को अपनी स्थिति सुधारनी होगी। पिछले साल भी ट्रंप ने कहा था कि वह ड्रग तस्करी से निपटने के लिए मेक्सिको में अमेरिकी सेना और खुफिया अधिकारियों को भेजने की तैयारी कर रहे हैं।

'अमेरिका किसी भी क्षेत्र का मालिक नहीं' : द हिल की रिपोर्ट के अनुसार, मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबॉम ने ट्रंप के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। वेनेजुएला के राष्ट्रपति को पकड़ने के बाद उन्होंने कहा था कि मेक्सिको दूसरे देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप को पूरी तरह खारिज करता है। अमेरिका किसी भी क्षेत्र का मालिक नहीं है। लैटिन अमेरिका का इतिहास साफ और जबरदस्त है, दखलअंदाजी से न कभी लोकतंत्र आया, न कभी खुशहाली आई और न ही स्थायी स्थिरता मिली।

ट्रंप ने कहा कि उन्होंने वेनेजुएला पर हमलों का दूसरा चरण रद्द कर दिया है। हालांकि सुरक्षा और संरक्षा के उद्देश्य से सभी जहाज अपनी जगह पर तैनात रहेंगे। वेनेजुएला शांति के संकेत के तौर पर बड़ी संख्या में राजनीतिक कैदियों को रिहा कर रहा है। यह बहुत ही महत्वपूर्ण और समझदारी भरा कदम है।

इटली प्रधानमंत्री बोलीं- यूरोप को रूस से बातचीत शुरू करना चाहिए

रोम , एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने शुक्रवार को कहा कि यूरोप को अब रूस के साथ बातचीत फिर से शुरू करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यूक्रेन युद्ध को खत्म करने की कोशिशों में यूरोप को दोनों पक्षों से बात करनी चाहिए, सिर्फ एक तरफ से बात करने से उसका योगदान सीमित रह जाएगा।मेलोनी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की बात से सहमति जताई। उन्होंने हाल ही में कहा था कि यूरोप को रूस के साथ जुड़ाव बढ़ाना चाहिए, जिससे यूक्रेन में चल रहे लगभग चार साल पुराने युद्ध को समाप्त करने में मदद मिल सके। मेलोनी ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैक्रों सही हैं। अब समय आ गया है कि यूरोप भी रूस से बात करे। अगर यूरोप सिर्फ एक पक्ष से बात करके इस बातचीत में हिस्सा लेगा, तो मुझे डर है कि हमारा योगदान बहुत कम रह जाएगा।

नवंबर से युद्ध खत्म करने की बातचीत तेज हो गई है, लेकिन रूस ने अभी तक कोई बड़ा समझौता करने की इच्छा नहीं दिखाई है। यूक्रेन ने अमेरिका के शुरुआती प्रस्ताव

में बदलाव की मांग की है। मेलोनी ने सुझाव दिया कि यूरोपीय संघ को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से सीधे बात करने के लिए एक विशेष दूत नियुक्त करना चाहिए।

अमेरिका ने नवंबर में प्रस्ताव दिया था कि रूस को फिर से ग्रुप ऑफ सेवन (जी7) में शामिल किया जाए और पुराना जी8 फॉर्मेट बहाल किया जाए। हालांकि, मेलोनी ने इसे जल्दबाजी बताया। उन्होंने कहा कि रूस को जी7 में वापस लाने की बात करना अभी जल्दबाजी होगी। इसके अलावा, मेलोनी ने दोहराया कि इटली यूक्रेन में किसी शांति समझौते की गारंटी के लिए सैनिक नहीं भेजेगा। फ्रांस और ब्रिटेन ने पिछले महीने यूक्रेन में बहुराष्ट्रीय सेनाओं की तैनाती पर सहमति जताई है।

खामेनेई की फोटो जलाकर उसकी आग से सिगरेट सुलगा रहीं, ईरानी महिलाओं का अनोखा प्रदर्शन

तेहरान, एजेंसी। ईरान में हाल के दिनों में विरोध प्रदर्शन के दौरान नया रूप देखने को मिला है, जहां महिलाएं सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई की तस्वीरों को जलाकर उसकी आग से सिगरेट सुलगा रही हैं। यह ट्रेंड सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहा है, जो देश में जारी आर्थिक संकट, महंगाई, कमजोर मुद्रा और सरकारी दमन के खिलाफ जनता के गुस्से को दर्शाता है। दिसंबर 2025 के अंत से शुरू हुए ये प्रदर्शन अब खामेनेई के शासन के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुके हैं, जिसमें प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर उतरकर नारे लगाए, सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया और इंटरनेट-टेलीफोन ब्लैकआउट के बावजूद अपना विरोध जारी रखा।

महिलाओं की ओर से सिगरेट जलाने वाला कदम प्रतीकात्मक है,

क्योंकि ईरान में सुप्रीम लीडर की तस्वीर जलाना गंभीर अपराध माना जाता है। महिलाओं के लिए सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करना भी सामाजिक-धार्मिक नियमों के तहत प्रतिबंधित है। यह कदम 2022 में महसा अमीनी की पुलिस हिरासत में मौत के बाद शुरू हुए 'महिला, जीवन, आजादी' आंदोलन की निरंतरता भी दर्शाता है। तब महिलाओं ने हिजाब जलाकर और बाल काटकर विरोध जताया था, लेकिन अब यह और ज्यादा सत्ता को चुनौती दे रहा है।

अयातुल्लाह अली खामेनेई ने प्रदर्शनकारियों को विदेशी ताकतों का एजेंट करार दिया है, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रदर्शनकारियों पर हिंसा के खिलाफ सख्त चेतावनी दी है। ये प्रतीकात्मक कृत्य महिलाओं की व्यक्तिगत स्वतंत्रता, हिजाब नियमों और पूरे धार्मिक शासन के खिलाफ खुली बगावत का प्रतीक बन गए हैं, जो सोशल मीडिया के जरिए वैश्विक स्तर पर ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। ईरान में यह नया विरोध रूप आर्थिक संकट और सामाजिक प्रतिबंधों के बीच जनता की बढ़ती बेचैनी को उजागर करता है।

ईरान की महिलाएं क्या संदेश देना चाह रही हैं? : इस सवाल का जवाब दो अलग-अलग नियम से जोड़ता है। पहला ये कि ईरान के कानून के तहत सर्वोच्च नेता की तस्वीरें जलाना एक गंभीर अपराध माना जाता है। जबकि दूसरा, देश के कई हिस्सों में महिलाओं के धूम्रपान पर वर्षों से प्रतिबंध लगा हुआ है। ऐसे में इन दोनों कामों को एक साथ अंजाम देना और अनिवार्य हिजाब नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाकर प्रदर्शनकारी महिलाएं सत्ता के साथ-साथ कठोर सामाजिक प्रतिबंधों के खिलाफ भी आवाज उठा रहीं हैं।

नेतन्याहू को करो किडनैप, पाक के रक्षा मंत्री के बयान पर बवाल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक टीवी इंटरव्यू के दौरान इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतनयाहू के खिलाफ विवादित टिप्पणी कर अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में खलबली मचा दी है। आसिफ ने अमेरिका और तुर्की से अपील की कि वे नेतनयाहू को किडनैप (अपहरण) कर लें और गाजा में इजरायली सैन्य कार्रवाई के लिए उन पर मुकदमा चलाएं।

जियो न्यूज पर पाकिस्तानी पत्रकार हामिद मीर के साथ बातचीत करते हुए ख्वाजा आसिफ ने नेतनयाहू को मानवता का सबसे बुरा अपराधी करार दिया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट का भी हवाला दिया।

आसिफ ने कहा, 'नेतनयाहू सबसे वांटेड अपराधी हैं। अमेरिका को उनका अपहरण कर लेना चाहिए और उन पर मुकदमा चलाना चाहिए। यदि अमेरिका वास्तव में मानवता का मित्र है, तो वह ऐसा ही करेगा।'

आसिफ ने हाल ही में अमेरिका द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी का उदाहरण देते हुए कहा कि अमेरिका को नेतनयाहू के खिलाफ भी

वैसी ही कार्रवाई करनी चाहिए। जब हामिद मीर ने तुर्की द्वारा उन्हें हिरासत में लेने की संभावना पूछी तो आसिफ ने कहा, 'तुर्की भी उन्हें अगवा कर सकता है और हम पाकिस्तानी इसके लिए दुआ कर रहे हैं।'

इंटरव्यू में तनाव तब बढ़ गया जब ख्वाजा आसिफ ने उन देशों को सजा देने की बात छेड़ी जो नेतनयाहू का समर्थन कर रहे हैं। हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके शब्दों का इशारा स्पष्ट रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर था। आसिफ ने जैसे ही कहा, 'जो लोग उनका (नेतनयाहू का) समर्थन कर रहे हैं, कानून उनके बारे में क्या कहता है।' हामिद मीर ने उन्हें बीच में ही टोक दिया।

हामिद मीर ने तुरंत लिया कमर्शियल ब्रेक : हामिद मीर ने बीच में टोकते हुए कहा, 'ख्वाजा साहब, आप पाकिस्तान के रक्षा मंत्री हैं। आपकी बातें सुनकर कई लोग सोच सकते हैं कि आप डोनाल्ड ट्रंप के बारे में बात कर रहे हैं। मुझे नहीं पता आप किसका जिक्र कर रहे हैं, इसलिए मैं ब्रेक ले रहा हूं।' ब्रेक के बाद जियो न्यूज ने घोषणा की कि आसिफ अब शो का हिस्सा नहीं रहेंगे। माना जा रहा है कि यह पाकिस्तान सरकार की ओर से 'डैमेज कंट्रोल' की कोशिश थी।

पाकिस्तान की कूटनीतिक मजबूरी : यह विवाद ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान अमेरिका के साथ अपने संबंधों को सुधारने की कोशिश कर रहा है। भारत के साथ 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पैदा हुए तनाव के बीच पाकिस्तान अपनी विदेश नीति को लेकर बेहद सतर्क है। हाल के हफ्तों में पाकिस्तान ने डोनाल्ड ट्रंप की सार्वजनिक रूप से प्रशंसा की है और उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार देने तक का समर्थन किया है। पाकिस्तान इजरायल को मान्यता नहीं देता है और गाजा में सैन्य अभियानों का कड़ा विरोध करता रहा है।

तारिक रहमान बने बीएनपी के नए अध्यक्ष, खालिदा जिया के निधन के बाद पार्टी ने लिया फैसला

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की प्रमुख विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी में नेतृत्व परिवर्तन हुआ है। पार्टी की राष्ट्रीय स्थायी समिति ने सर्वसम्मति से तारिक रहमान को पार्टी का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह फैसला पूर्व प्रधानमंत्री और बीएनपी अध्यक्ष रहीं खालिदा जिया के लंबे इलाज के बाद निधन के कुछ ही दिनों बाद लिया गया है।बीएनपी अध्यक्ष का पद खालिदा जिया के निधन के बाद रिक्त हो गया था। वह बांग्लादेश की तीन बार प्रधानमंत्री रह चुकी थीं और पार्टी की सबसे प्रभावशाली नेता मानी जाती थीं। पार्टी संविधान के तहत इस पद को भरने के लिए राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक बुलाई गई, जिसमें तारिक रहमान के नाम पर मुहर लगी।

17 साल बाद स्वदेश लौटे थे तारिक रहमान : तारिक रहमान 25 दिसंबर को 17 वर्षों के स्वैच्छिक निर्वासन के बाद लंदन से बांग्लादेश लौटे थे। उनके स्वदेश लौटने को बीएनपी के लिए एक अहम राजनीतिक संकेत माना गया। पार्टी नेताओं का कहना है कि उनकी वापसी से संगठन को नई ऊर्जा मिली है और कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ा है।

पार्टी में लंबा संगठनात्मक अनुभव : 60 वर्षीय तारिक रहमान का पार्टी संगठन में लंबा अनुभव रहा है। वर्ष 2002 में उन्हें बीएनपी का वरिष्ठ संयुक्त महासचिव बनाया गया था। इसके बाद 2009 में वह पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बने। पार्टी के भीतर उन्हें रणनीतिकार और संगठन को मजबूती देने वाला नेता माना जाता है।

प्रधानमंत्री पद के प्रमुख दावेदार : पार्टी सूत्रों के अनुसार, तारिक रहमान आगामी आम चुनावों में प्रधानमंत्री पद के प्रमुख दावेदारों में शामिल हैं। बीएनपी को फरवरी में होने वाले चुनावों में सत्ता में लौटने का प्रबल दावेदार माना जा रहा है, खासकर तब जब पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग को चुनाव लड़ने से बाहर कर दिया गया है।

बीएनपी को सत्ता में वापसी की उम्मीद : पार्टी का कहना है कि नए नेतृत्व में बीएनपी देश की राजनीति में स्थिरता और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में काम करेगी। तारिक रहमान के अध्यक्ष बनने के साथ ही उन्होंने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की जिम्मेदारी औपचारिक रूप से संभाल ली है और संगठन को चुनावी मोड में लाने की तैयारी शुरू हो गई है।

डॉक्टर का दावा- आंदोलन कुचलने के लिए खामेनेई की सेना ने बरसाईं गोलियां! केवल तेहरान में 217 मौत

तेहरान, एजेंसी। ईरान में सरकार के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शन शनिवार (10 जनवरी) को 13वें दिन में जा पहुंचा है। खराब अर्थव्यवस्था और बढ़ती महंगाई के बीच जनता सड़कों पर उतर चुकी है और खामेनेई प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रही है। इस बीच देश में जारी सरकार विरोधी आंदोलन को लेकर हैरान कर देने वाला दावा सामने आया है। एक ईरानी डॉक्टर ने दावा करते हुए कहा है कि सिर्फ तेहरान में 217 मौतें हुई हैं।

ईरान से मिली रिपोर्टों के अनुसार विरोध प्रदर्शन अब देश के सभी 31 प्रांतों में फैल चुका है। टाइम पत्रिका की एक रिपोर्ट में तेहरान के एक डॉक्टर के हवाले से नाम न छापने की शर्त पर बताया गया है कि राजधानी के सिर्फ छह अस्पतालों में कम से कम 217 प्रदर्शनकारियों की मौत दर्ज की गई है, जिनमें से अधिकांश की मौत गोली लगने से हुई है।

डॉक्टर का दावा- 217 प्रदर्शनकारियों की मौत : डॉक्टर का दावा है कि तेहरान में 200 से अधिक प्रदर्शनकारी मारे गए हैं। टाइम पत्रिका को तेहरान के एक डॉक्टर ने बताया कि राजधानी के सिर्फ छह अस्पतालों में कम से कम 217 प्रदर्शनकारियों की

मौत दर्ज की गई है, जिनमें से अधिकतर की जान सुरक्षा बलों की तरफ से की गई गोलीबारी में गई है। डॉक्टर ने ईरानी अधिकारियों के डर से नाम न छापने की शर्त पर यह बड़ी जानकारी साझा की। हालांकि टाइम पत्रिका ने इन आंकड़ों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की है।

सत्ता के खिलाफ जनता का हल्ला बोल : ऐसे में अगर मौतों के यह आंकड़े सही है तो ईरानी सरकार का आंदोलन को कुचलने के लिए खौफनाक चेहरा सामने आया है। इधर, देश में इंटरनेट और फोन सेवा लगभग पूरी तरह बंद कर हो चुकी है।

इंटरनेट स्वतंत्रता पर नजर रखने वाली संस्था नेटब्लॉक्स ने शासन की तरफ से लागू किए गए इंटरनेट प्रतिबंध का दस्तावेजीकरण किया। संस्था ने बताया कि राष्ट्रव्यापी इंटरनेट बंद किए हुए अब 24 घंटे हो चुके हैं और कनेक्टिविटी सामान्य स्तर के 1% पर स्थिर है। यह जारी डिजिटल ब्लैकआउट ईरानियों के मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रता का उल्लंघन करता है और शासन की हिंसा को छुपाता है।

विरोध प्रदर्शन के बीच खामेनेई का बड़ा बयान : इससे पहले शुक्रवार को देश में व्याप्त अशांति के बीच सर्वोच्च नेता खामेनेई ने ट्रंप को अमेरिका की समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करने की नसीहत दी है। खामेनेई ने देश को संबोधित करते हुए कहा था कि प्रदर्शनकारी दूसरे देश के राष्ट्रपति को खुश करने के लिए अपनी देश को बर्बाद कर रहे हैं। खामेनेई ने साफ कहा है कि देश विदेशियों के भाड़े के सैनिकों को बर्दाश्त नहीं करेगा। इसी के साथ प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का भी संकेत दिया।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)